आधुनिक राज॰ का इतिहास

→ 1803 ई॰ में भरतपुर तथा अलवर रियासतों ने अंग्रेजों के साथ संधि कर ली।

→ इस समय लॉर्ड वैलेजली अंग्रेजों का गर्वनर था।

→ 1817 ई॰ में करौली तथा कोटा रियासतों ने अंग्रेजों के साथ संधियाँ की थी।

→ 1818 ई॰ में राज॰ की अन्य रियासतों ने अंग्रेजों के साथ संधियाँ कर ली थी।

→ इस समय लॉर्ड हेस्टिंगस अंग्रेजों का गर्वनर जनरल था।

→ इन संधियों के दौरान चार्ल्स मेटकॉफ अंग्रेजों का प्रतिनिधि था।

Springboard Academy

→ डूंगरपुर, प्रतापगढ़ तथा बाँसवाड़ा रियासतों के साथ संधियों के दौरान जॉन मेल्कम अंग्रेजों का प्रतिनिधि था।

→ 1823 ई॰ सिरोही रियासत अंग्रेजों के साथ सन्धि करती है।

→ इस संधि के दौरान एलेक्जेण्डर स्पीयर्स अंग्रेजों का प्रतिनिधि था।

→ चार्ल्स मेटकॉफ के अनुसार राज॰ की रियासतों का परिसंघ बनाया जाना चाहिए।

→ मोहन सिंह मेहता की पुस्तक - Lord Hastings and indian states

→ 25 June 1818 ई॰ को अंग्रेजों ने मराठों को हराकर अजमेर पर अधिकार कर लिया।

→ प्रत्येक रियासत में एक अंग्रेज अधिकार नियुक्त किया जाता जिसे Political Agent / Resident कहते थे।

डेविड आक्टरलोनी - यह पहला Resident of राजपूताना था।

मुख्यालय - दिल्ली

→ 1832 ई० में अजमेर में A.G.G. मुख्यालय स्थापित किया गया था।

→ अब्राहम लाकेट राज० का पहला A.G.G. था।

→ 1845 ई० में A.G.G. मुख्यालय आबू स्थानान्तरित किया गया।

→ 1864 ई० में अजमेर तथा आबू में 6 - 6 महीने की व्यवस्था की गई।

03/12/24

→ रियासतों की सुरक्षा के लिए अंग्रेजों ने नई सेनाओं का गठन किया था।

जैसे - कोटा कन्टिन्जेंट 1822 ई० देवली (टोंक)

मेरवाड़ा बटालियन 1822 ई० ब्यावर

जोधपुर लीजियन 1835 ई० एरिनपुरा (पाली)

RAS Que.* शेखावाटी ब्रिगेड 1835 ई० झुन्झुनू

मेवाड़ भील कोर 1841 ई० खेरवाड़ा (उदयपुर)

→ अंग्रेजो ने राज० में तीन नई रियासतों का गठन किया था -

① धौलपुर 1806 ई०

② टोंक 1817 ई॰

③ झालावाड़ 1838 ई॰

→ 1869 ई॰ में अंग्रेजो ने सांभर झील पर अधिकार किया था।

→ 1893 ई॰ में अंग्रेजों ने अफीम कमिशन का गठन किया था।

1857 ई॰ की क्रांति

→ क्रांति के दौरान जॉर्ज पैट्रिक लॉरेंस राज॰ का A॰G॰G॰ था।

→ क्रांति के दौरान राज॰ में 6 सैनिक छावनियाँ थी।

① नसीराबाद (अजमेर)

② नीमच (M॰P॰)

③ देवली (टोंक)

④ एरिनपुरा (पाली)

⑤ ब्यावर

⑥ खैरवाड़ा (उदयपुर)

Springboard ACADEMY

→ ब्यावर तथा खैरवाड़ा छावनियों में सैनिकों ने क्रांति में भाग नहीं लिया था।

① **नसीराबाद →**

28 मई को 15th Bengal native Infantry के सैनिकों ने क्रांति की शुरुआत की।

→ इन्होंने दो अंग्रेज अधिकारों को मार दिया - (i) कर्नल न्यूबरी
(ii) कर्नल स्पोटिसवुड

→ दो अंग्रेज अधिकार घायल हो गए थे - लेफ्टिनेंट लॉक
कैप्टन हार्डी

→ कर्नल Penny की हृदयाघात से मृत्यु हो गई।

→ 30 वीं N.I. भी क्रांति में शामिल हो गई तथा सभी विद्रोही दिल्ली की तरफ चले गए।

② **नीमच →**

कर्नल एबॉट के सामने मोहम्मद अली बेग नामक सैनिक ने अंग्रेजों के प्रति वफादारी की प्रतिज्ञा करने से मना कर दिया। (2 June)

Springboard ACADEMY

→ 3 June को हीरासिंह के नेतृत्व में सैनिकों ने क्रांति कर दी।

→ शाहपुरा के राजा लक्ष्मण सिंह ने विद्रोहियों की सहायता की।

→ देवली छावनी की महीदपुर बटालियन विद्रोह में शामिल हो गई तथा सभी विद्रोही दिल्ली की तरफ चले गए

→ नीमच छावनी से 40 अंग्रेज भाग गए थे।

→ डूंगला (चित्तौड़) नामक गाँव में रूघाराम नामक किसान ने इन्हें शरण दी थी।

→ मेवाड़ का पॉलिटिकल एजेंट शॉवर्स इन्हें उदयपुर लेकर आया।

→ महाराणा स्वरूप सिंह ने इन्हें जग मंदिर महल में रखा था।

एरिनपुरा →

21 Aug. को पूर्बिया सैनिकों ने आबू में क्रांति की तथा अंग्रेज अधिकार हॉल के घर पर हमला कर दिया।

→ विद्रोही हरिनपुरा आए तथा अपने बाकी साथियों के साथ इन्होंने दिल्ली की तरफ जाने का प्रयास किया।

→ खैरवा (पाली) नामक स्थान पर विद्रोहियों की मुलाकात आउवा के सामन्त कुशाल सिंह चाम्पावत से हुई।

बिठोड़ा का युद्ध (पाली) – 8 Sept. 1857 A.D.

Capt. हीथकोट + कुशलराज सिंघवी (Jodhpur शासक तख्त सिंह की तरफ से) v/s कुशाल सिंह चाम्पावत

→ इस युद्ध में कुशाल सिंह की जीत हुई।

→ जोधपुर का सेनापति ओनाड़ सिंह पंवार युद्ध में लड़ता हुआ मारा गया।

चेलावासा का युद्ध (पाली) → 18 Sep. 1857 A.D.

जॉर्ज पैट्रिक लॉरेंस + मैकमोसन v/s कुशाल सिंह चाम्पावत

→ इसे काले गोरों के बीच का युद्ध कहा जाता है।

Springboard Academy

→ इस युद्ध में कुशाल सिंह की जीत हुई।

→ मैकमोसन मारा गया।

आउवा का युद्ध → 20 जनवरी 1858 AD.

कर्नल हॉम्स + हंसराज जोशी (जोधपुर) v/s कुशाल सिंह चाम्पावात

→ कुशाल सिंह सहायता प्राप्त करने के लिए मेवाड़ चले गए।

→ पृथ्वीसिंह (लाम्बिया) ने युद्ध का नेतृत्व किया।

→ इस युद्ध में अंग्रेजों की जीत हुई।

→ * Que. 24 Jan. 1858 ई. को अंग्रेजों ने आउवा पर अधिकार कर लिया तथा सुगाली माता की मूर्ति उठाकर ले गए

→ [यह काले संगमरमर की मूर्ति है जिसमें सुगाली माता के 10 सिर व 54 हाथ है।

→ अंग्रेजो ने इसे अजमेर के राजपूताना म्यूजियम मे रखा।

→ कालान्तर में इसे पाली के बागड़ म्यूजियम में रख दिया गया था।]

Springboard Academy

→ मेवाड़ में सलूम्बर के केसरी सिंह तथा कोठारिया के जोध सिंह ने कुशाल सिंह को शरण दी थी।

→ 8 Aug. 1860 ई० को नीमच में कुशाल सिंह ने आत्मसमर्पण कर दिया था।

→ कुशाल सिंह की जाँच के लिए अंग्रेजों ने 'टेलर कमिशन' का गठन किया।

→ कुशाल सिंह ने अपना अंतिम समय उदयपुर में बिताया था तथा 1864 ई० में यहीं पर मृत्यु हो गई थी।

→ मारवाड़ के कई अन्य सामन्तों ने भी कुशाल सिंह की सहायता की।

जैसे - (i) शिवनाथ सिंह (आसोप)
(ii) बिशन सिंह (गूलर)
(iii) अजीत सिंह (आलणियावास)

→ शिवनाथ सिंह आसोप के नेतृत्व में विद्रोही दिल्ली की तरफ गए थे लेकिन नारनौल (HR) के पास अँग्रेज सेनापति गेरार्ड से हार गए थे।

Springboard Academy

→ बड़लू (जोधपुर) नामक स्थान पर शिवनाथ सिंह ने मारवाड़ की सेना का 35 दिनों तक सामना किया था।

→ बिशन सिंह तथा अजीत सिंह डाकू बन गए थे।

तख्तसिंह – क्रांति के दौरान मारवाड़ का राजा।

कानजी – बिठौड़ा का सामन्त। जिसकी हत्या कुशाल सिंह द्वारा कर दी गई।

क्रांति के केन्द्र (आउवा)
- सुगाली माता मंदिर
- * RAS Q. 2016 कामेश्वर मंदिर

कोटा का जन विद्रोह → 15 Oct. 1857 ई.

विद्रोही – वकील जयदयाल (मथुरा)
रिसालदार मेहराब खान (करौली)
(सेना का सेनापति)

रिसाला - सेना

→ महाराव रामसिंह II को नजरबंद कर दिया गया।

Springboard Academy

→ P.A. बर्टन तथा कई अन्य लोगों को मार दिया गया।

जैसे - क्रेंक, आर्थर]- बर्टन के पुत्र

सडेलर, सेविल कॉटम]- डॉक्टर

देवीलाल - महराब का प्रतिनिधि

→ मथुरेश मंदिर के कन्हैयालाल गोस्वामी ने रामसिंह II तथा विद्रोहियों के बीच समझौता करवाया (9 शर्तें)

→ रामसिंह II ने मेवाड़ महाराणा से अपने परिवार को उदयपुर बुलाने को कहा।

→ करौली के राजा मदनपाल ने रामसिंह II को मुक्त करवाया।

→ 30 March 1858 AD को अंग्रेज अधिकारी रॉबर्ट्स ने कोटा को पूर्णतः मुक्त करवाया था।

→ जयदयाल तथा मेहराब खान को मृत्यु दण्ड दिया गया।

→ अंग्रेजो ने रामसिंह II की तोपों की सलामी घटा दी थी (15 से 11)

→ अंग्रेजों ने मदनपाल की तोपों की सलामी बढ़ा दी थी (15 से 17)

अन्य विद्रोही -
① हरदयाल
② रतनलाल
③ जियालाल

टोंक का जन विद्रोह →

नवाब वजीरुद्दौला अंग्रेजों का समर्थक था।

विद्रोही -
① मीर आलम खाँ
② अहमदयार खाँ (निम्बाहेड़ा)
③ मोइनुद्दीन (पलोद)

→ अहमदयार खाँ शहजादा फिरोज (मन्दसौर) के सम्पर्क में था।

→ ★ Que. मोइनुद्दीन ने मुगल बादशाह बहादुर शाह जफर से मुलाकात की थी।

→ निम्बाहेड़ा में जनता ने नीमच के विद्रोहियों का स्वागत किया था।

Springboard Academy

→ यहाँ पर ताराचन्द पटेल ने अंग्रेज अधिकारी जेक्सन का सामना किया था।

→ जेक्सन नीमच के विद्रोहियों का पीछा कर रहा था।

→ ताराचन्द पटेल को फाँसी दी गई थी।

→ मोहम्मद मुजीब के नाटक 'आजमाईश' के अनुसार टोंक के विद्रोह में महिलाओं ने भी भाग लिया।

धौलपुर का जन विद्रोह →

देवा गुर्जर ने क्रांति की शुरुआत की।

→ इन्दौर तथा ग्वालियर के विद्रोही धौलपुर आ गए थे।

→ विद्रोहियों के नेता - ① हीरालाल
② राव रामचन्द्र

→ विद्रोह दबाने के लिए महाराजा भगवन्त सिंह को पटियाला से सेना बुलानी पड़ी थी।

Springboard Academy

भरतपुर का जन विद्रोह →

मेव तथा गुर्जर समुदाय ने क्रांति में भाग लिया।

नेता - सदरुद्दीन

→ महाराजा जसवन्त सिंह P.A. मॉरिसन को भरतपुर छोड़ने की सलाह दी थी।

अलवर का जन विद्रोह →

महाराजा विनय सिंह तथा महाराजा शिवदान सिंह ने अंग्रेजों का समर्थन किया।

→ आगरा की रक्षा के लिए विनय सिंह ने अपनी सेना भेजी।

→ अछनेरा नामक स्थान पर विद्रोहियों ने इस सेना को हरा दिया।

→ दीवान फैजुल्ला खाँ ने विद्रोहियों का साथ दिया था।

जयपुर →

P.G. ईडन के कहने पर महाराजा रामसिंह II ने विद्रोहियों को गिरफ्तार कर लिया।

Springboard Academy

विद्रोही -
(i) लियाकत खाँ
(ii) उस्मान खाँ
(iii) विलायत खाँ
(iv) सादुल्ला खाँ

*Que.
→ मंत्री शिवसिंह सामोद ने रामसिंह II को बहादुर शाह जफर से बातचीत ~~की~~ करने की सलाह दी।

रामसिंह II को सितार ए हिन्द की उपाधि व कोटपुतली परगना दिया

बीकानेर →

बाड़लू (हिसार के पास) नामक स्थान पर महाराजा सरदार सिंह ने क्रांति को दबाया था।

→ * यह राजस्थान का एकमात्र राजा जिसने अपनी रियासत के बाहर जाकर क्रांति को दबाया था।

→ अंग्रेजों ने इसे टिब्बी परगने के 41 गाँव दिए थे।

अमरचन्द बांठिया →

यह मूल रूप से बीकानेर के रहने वाले थे।

→ क्रांति के दौरान झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई की ग्वालियर में आर्थिक सहायता की थी।

Springboard Academy

→ इन्हें क्रांति का भामाशाह कहा जाता है।
→ अंग्रेजों ने इन्हें फाँसी लगा दी थी।

तांत्या टोपे →
क्रांति के दौरान दो बार राज० आए थे। (Aug. 1858, Dec. 1858)

कुआड़ा का युद्ध - 9 Aug. 1858 ई०
(भीलवाड़ा)
रॉबर्ट्स ने तांत्या टोपे को हरा दिया।

रकमगढ़ का युद्ध - 13 Aug. 1858 ई०
(राजसमंद)
अंग्रेजों ने तांत्या टोपे को हराया।

★ Imp.
→ कोठारिया के जोध सिंह ने इस युद्ध में तांत्या टोपे की सहायता की थी।

→ रलायता (झालावाड़) नामक स्थान पर झालावाड़ के राजा पृथ्वी सिंह ने तांत्या टोपे के खिलाफ सेना भेजी।

→ लेकिन गोपाल पलटन को छोड़कर बाकी सेना ने तांत्या टोपे के खिलाफ लड़ने से मना कर दिया।

Springboard Academy

→ पृथ्वी सिंह को तांत्या टोपे को 5 लाख रुपये देने पड़े।

→ 11 Dec. 1858 ई॰ को तांत्या टोपे ने बाँसवाड़ा रियासत पर अधिकार कर लिया था।

→ इस समय लक्ष्मण सिंह बाँसवाड़ा का राजा था।

→ प्रतापगढ़ में मेजर रॉक ने तांत्या टोपे को रोका।

→ इस समय दलपत सिंह प्रतापगढ़ का राजा था।

1857 माझा प्रवास – विष्णु भट्ट गोडसे।

जीरापुर का युद्ध → (M.P.)
कर्नल बेसैन ने तांत्या टोपे को हराया।

दौसा का युद्ध –
शॉवर्स तथा हॉनर्स ने तांत्या टोपे को हराया।

सीकर का युद्ध –
कर्नल हॉम्स ने तांत्या टोपे को हराया।

→ तांत्या टोपे के 600 सैनिकों ने बीकानेर राजा सरदार सिंह के समान

आत्मसमर्पण कर दिया।

→ मानसिंह के विश्वास घात के कारण तांत्या टोपे को नरवर (M.P.) के जंगलों में गिरफ्तार कर लिया था।

→ 18 April 1859 ई. को शिवपुरी (M.P.) नामक स्थान पर तांत्या टोपे को फांसी लगा दी थी।

→ शॉवर्स ने इस फाँसी का विरोध किया था।

→ शॉवर्स की पुस्तक -
A Missing chapter of Revolt of 1857 A.D.

→ बीकानेर महाराजा सरदार सिंह ने तांत्या टोपे को 10 घुड़सवार दिए थे।

→ टोंक के नासिर मुहम्मद खाँ ने तांत्या टोपे की सहायता की थी।

→ सलूम्बर के केसरी सिंह तथा कोठारिया के जोधसिंह ने तांत्या टोपे को शरण दी थी।

→ जोधसिंह ने कई अन्य विद्रोहियों को शरण दी थी।

जैसे ① पेशवा नाना साहब

② राव साहब

③ भीम जी चारण (गंगापुर में अंग्रेजों को लूट लिया था)

→ कवि राघोदास ने अपने गीतों में सलूम्बर के केसरी सिंह की प्रशंसा की थी।

→ I. T. प्रिचार्ड की पुस्तक - Mutinies in Rajputana

→ *Q. नाथुराम खड़गावत की पुस्तक - Rajasthan's Roles in struggle of 1857

Springboard Academy

राज० के किसान आन्दोलन

बिजौलिया आन्दोलन →

मेवाड़ का प्रथम श्रेणी ठिकाना था।

सवाई कृष्णसिंह 1897 ई०

→ राणा सांगा ने अशोक परमार (जगनेर) को ऊपरमाल की जागीर दी थी।

→ बिजौलिया इस जागीर का मुख्यालय था।

→ अशोक परमार ने खानवा के युद्ध में भाग लिया था।

05/12/24

आन्दोलन के कारण –

i) 84 प्रकार के कर

ii) अधिक भू - राजस्व

iii) लाटा - कुन्ता

iv) बेगार

v) चंवरी कर → 1903 ई० में कृष्ण सिंह ने यह कर लगाया था।

→ यह कर किसानों से उनकी लड़कियों के विवाह के समय लिया जाता था।

Springboard Academy

vi) तलवार बँधाई कर →

1906 ई. में पृथ्वीसिंह ने यह कर किसानों पर लगाया था।

→ यह उत्तराधिकार कर होता था जो नए सामन्त द्वारा राजा को दिया जाता था।

प्रथम चरण (1897-1914) -

धाकड़ किसानों ने गिरधरपुरा नामक गाँव से आन्दोलन प्रारम्भ किया।

→ साधु सीताराम दास के कहने पर नानजी पटेल तथा ठाकरी पटेल किसानों की समस्या लेकर मेवाड़ महाराणा फतेह सिंह से मिले।

→ हामिद को जाँच अधिकारी बनाया गया।

→ पहले चरण में किसानों को अधिक सफलता नहीं मिली।

→ स्थानीय नेताओं द्वारा आन्दोलन चलाया गया - प्रेमचन्द भील
फतेहकरण चारण
ब्रह्मदेव

Springboard Academy

IInd चरण (1914-35) -

साधु सीताराम दास ने विजय सिंह पथिक को आन्दोलन में जोड़ा।

ऊपरमाल पंच बोर्ड →

बिजौलिया किसान पंचायत

स्थापना - 1917 ई. (हरियाली अमावस्या)

संस्थापक - विजय सिंह पथिक

स्थान - बैरीसाल

जागृति के लिए मित्रमण्डल

अध्यक्ष - मन्ना पटेल

बिजौलिया संगठन ↳ साधु सीताराम दास

→ विजय सिंह पथिक ने ऊपरमाल सेवा समिति का भी गठन किया। तथा ऊपरमाल का डंका नामक पर्चा प्रकाशित किया था।

'भूपसिंह'

रमादेवी ↳ 1930 सत्याग्रह, 1932 सविनय अवज्ञा आंदोलन

→ पथिक जी से प्रेरित होकर माणिक्यलाल वर्मा आन्दोलन में शामिल हो गए।

→ पहले यह बिजौलिया ठिकाने में नौकरी करते थे।

→ 1919 ई. के कांग्रेस के अमृतसर अधिवेशन में बाल गंगाधर तिलक ने बिजौलिया आन्दोलन के पक्ष में प्रस्ताव रखा लेकिन गाँधीजी ने इसका विरोध किया।

→ 1920 ई. के कांग्रेस के नागपुर अधिवेशन में गाँधीजी ने आन्दोलन को नैतिक समर्थन प्रदान किया।

→ 1922 ई. में अंग्रेजों के हस्तक्षेप के कारण किसानों के साथ एक समझौता किया गया।

समझौता - 1922 ई.

रॉबर्ट हॉलैंड (A.G.G.)	मोतीराम
विलकिन्स (P.G.)	नारायण पटेल
आगाल्वी (A.G.G का सचिव)	रामनारायण चौधरी
बिहारीलाल (राजा के अधिकारी)	माणिक्य लाल वर्मा
प्रभाषचन्द्र चटर्जी (राजा के अधिकारी)	

→ इस समझौते में किसानों के 35 कर माफ कर दिए गए थे।

→ बिजौलिया के सामन्त केसरी सिंह ने इस समझौते को स्वीकार नहीं किया था।

किसान पंचायतों को मजबूत बनाने की दृष्टि से 1922 में पूर्वी मेवाड़ परिषद् का गठन किया गया।

15

III^rd चरण (1923-41) →

भूमि बंदोबस्त अधिकारी ट्रेन्च ने असंचित भूमि पर कर बढ़ा दिए थे।

→ 1927 ई० में विजय सिंह पथिक के कहने पर किसानों ने अपनी असंचित भूमि सामन्त को लौटा दी।

→ सामन्त ने इस भूमि को जप्त कर लिया।

→ 1929 ई० में विजयसिंह पथिक आन्दोलन से अलग हो गए थे।

→ गाँधीजी ने जमनालाल बजाज को आन्दोलन के लिए भेजा।

→ बजाज जी ने हरिभाऊ उपाध्याय को आन्दोलन का नेता नियुक्त किया।

→ 1941 ई० में मेवाड़ के प्रधानमंत्री T. राघवाचारी तथा राजस्व मंत्री मोहन सिंह मेहता ने किसानों के साथ एक समझौता करवाया।

Springboard ACADEMY

→ किसानों की जप्त जमीनें उन्हें वापस दे दी गई।

→ यह राज॰ का पहला संगठित किसान आन्दोलन था।

→ यह विश्व का सबसे लम्बा अहिंसक आन्दोलन था। (44 वर्ष)

→ तिलक तथा गाँधीजी ने मेवाड़ महाराणा फतेहसिंह को पत्र लिखे थे।

→ 'मराठा' समाचार पत्र में तिलक ने बिजौलिया आन्दोलन के पक्ष में एक लेख लिखा।

→ गणेश शंकर विद्यार्थी अपने 'प्रताप' समाचार पत्र में आन्दोलन की अखबरें प्रकाशित करते।

→ यह एक साप्ताहिक समाचार पत्र था जो कि कानपुर से प्रकाशित होता था।

→ पथिक ने गणेश शंकर विद्यार्थी को चाँदी की राखी भेजी थी।

→ प्रेमचन्द जी का रंगभूमि उपन्यास बिजौलिया आन्दोलन पर आधारित है।

Springboard Academy

→ माणिक्यलाल वर्मा का गीत पंछीड़ा
→ विजय सिंह पथिक का गीत -
'पीड़ितों का पंछीड़ा'

→ भंवरलाल जी ने भी अपने गीतों से किसानों को प्रोत्साहित किया।

उमाजी का खेड़ा - माणिक्यलाल वर्मा यहाँ विद्यालय संचालित करते थे।

तुलसा भील - विजय सिंह पथिक के समाचार वाहक

→ राजस्थान राज्य अभिलेखागार (Bikaner) ने 'बिजौलिया किसान आन्दोलन का इतिहास' नामक पुस्तक प्रकाशित की।
writer -
↳ शंकर सहाय सक्सेना
पद्मजा शर्मा

बेंगू आन्दोलन :-
(चित्तौड़)

बेंगू मेवाड़ रियासत का प्रथम श्रेणी ठिकाना था।

→ 1921 ई. में धाकड़ किसानों ने मेनाल के भैरूंकुण्ड नामक स्थान से आन्दोलन प्रारम्भ किया।

Springboard Academy

कारण -
i) 53 के कर
ii) अधिक भू राजस्व
iii) लाटा - कुन्ता
iv) बेगार ।

नेता - रामनारायण चौधरी

→ 1922 ई० में अजमेर में विजय सिंह पथिक ने बेंगू के सामन्त अनूप सिंह चूंडावत तथा किसानों के बीच एक समझौता करवाया ।

→ ट्रेन्च ने इसे बोल्शेविक समझौता बताया ।

→ मेवाड़ रियासत ने इस समझौते को स्वीकार नहीं किया

→ अनूप सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया तथा अमृतलाल को बेंगू का प्रशासक बना दिया गया ।

गोविन्दपुरा हत्याकाण्ड →
13 July 1923 A.D.

→ ट्रेंच ने किसानों की सभा पर फायरिंग कर दी ।

Springboard Academy

→ इसमें दो किसान शहीद हो गए -
① रूपाजी धाकड़
② किरपा जी धाकड़

→ 10 Sep. 1923 ई. को विजय सिंह पथिक को गिरफ्तार कर लिया गया।

→ कालान्तर में किसानों के 34 कर माफ कर दिए गए।

अन्य केन्द्र - ① चाँदखेड़ी
② मंडावरी

मेवाड़ के खालसा क्षेत्र में किसान आन्दोलन →
April 1921 ई. में जाट किसानों ने उदयपुर से यह आन्दोलन प्रारम्भ किया।

नेता - गोकुल जी

पोड़ोली सम्मेलन → Dec. 1921

निर्णय - i) आन्दोलन को बिजौलिया आन्दोलन की तरह चलाया जाएगा

ii) अगला सम्मेलन मातृकुंडिया में बुलाया जाएगा।

Springboard ACADEMY

मातृकुंडिया सम्मेलन → May. 1922 A.D.

इस सम्मेलन में किसानों की अधिकांश: माँगे स्वीकार कर ली गई थी।

→ किसानों को अफीम की खेती का मुआवजा दे दिया गया था।

बून्दी आन्दोलन / बरड़ आन्दोलन

1922 ई. में गुर्जर किसानों ने आन्दोलन प्रारम्भ किया था।

कारण -

i) 25 प्रकार के कर
ii) अधिक भू - राजस्व
iii) लाटा कुन्ता
iv) बेगार
v) युद्ध कर
vi) चराई कर
vii) भ्रष्टाचार

डाबी किसान पंचायत →

स्थापना - 1920 ई.
संस्थापक - साधु सीताराम दास
अध्यक्ष - हरला भड़क

Shringbaard ACADEMY

→ किसानों ने सरकारी अदालतों का बहिष्कार कर दिया।

→ किसानों ने सरकारी चरागाहों पर अधिकार कर लिया।

→ अन्य स्थानों पर किसान पंचायतें स्थापित की गई।

जैसे - बरड़
बरंधन
गादरड़ा

डाबी हत्याकाण्ड → इकराम हुसैन ने किसानों की सभा पर फायरिंग कर दी तथा इसमें दो किसान शहीद हो गए -

i) नानक जी भील
ii) देवीलाल गुर्जर

→ नानक जी भील झण्डा गीत गा रहे थे।

→ नानक जी भील की याद में माणिक्यलाल वर्मा ने अर्जी नामक गीत लिखा।

Springboard ACADEMY

किसान आन्दोलन के नेता →

नयनू राम शर्मा (राज० सेवा संघ के सदस्य)
नारायण सिंह
भंवरलाल सुनार

→ 1928 - 29 ई० में राज० सेवा संघ के बन्द हो जाने के कारण यह आन्दोलन समाप्त हो गया था।

→ इस आन्दोलन में महिलाएँ बड़ी संख्या में शामिल हुई थी।

→ 1936 ई० में इस आन्दोलन का दूसरा चरण प्रारम्भ होता है तथा इस चरण में समाज सुधार किए गए थे।

हिंडोली सम्मेलन -

5 Oct. 1936 A.D.

→ यह सम्मेलन डूडेश्वर नामक स्थान पर आयोजित किया गया था यहाँ पर 500 से अधिक गुर्जर व मीणा किसान शामिल हुए थे।

Springboard ACADEMY

अलवर आन्दोलन →

Ⓐ नीमूचणा
↓
राजपूत किसान
↓
बानसूर
थानागाजी

Ⓑ मेव
↓
मेव किसान
↓
रामगढ़
लक्ष्मणगढ़
किशनगढ़
तिजारा
} मेवात

Ⓐ नीमूचणा आन्दोलन →

कारण - i) 1924 ई० में महाराजा जयसिंह ने राजपूत व ब्राह्मण किसानों पर 40% कर बढ़ा दिए।

ii) माफी भूमि को जप्त कर लिया गया था।

iii) जंगली सूअरों की समस्या।

नेता -
माधोसिंह
अमरसिंह
गंगा सिंह
गोविन्द सिंह

→ अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ने आन्दोलन का समर्थन किया।

→ किसानों ने 'पुकार' नामक पर्चा प्रकाशित किया।

नीमूचणा हत्याकाण्ड -

14 May 1925 A.D.

→ छाजू सिंह ने किसानों की सभा पर फायरिंग की तथा इसमें 156 किसान शहीद हुए।

→ अपने Young India समाचार पत्र में गाँधी जी ने इसे 'दोहरी डायरशाही' कहा।

→ 'रियासत' समाचार पत्र ने इसकी तुलना 'जलियावाला बाग हत्याकाण्ड' से की थी।

→ तरुण राजस्थान समाचार पत्र ने इस घटना को सचित्र प्रकाशित किया था [31 May 1925 ई०]

Springboard Academy

(B) मेव आन्दोलन →

कारण –
i) अधिक भू राजस्व
ii) माफी भूमि को जप्त कर लिया गया।
iii) जंगली सूअरों की समस्या।

नेता –
यासीन खाँ (गुरुग्राम)
सैय्यद मीर नारंग
मुहम्मद अली
मुहम्मद हादी

→ धार्मिक संगठनों ने आन्दोलन का समर्थन किया था।
① अंजुमन - ए - खादिम - उल - इस्लाम
② जमीयत - ए - तबालीग - उल - इस्लाम

→ इस आन्दोलन के दौरान कुछ धार्मिक मांगे भी रखी गई।
जैसे – (i) मस्जिदों से सरकारी नियंत्रण समाप्त किया जाना चाहिए।
(ii) उर्दू को बढ़ावा दिया जाना चाहिए
(iii) सरकारी नौकरियों में मुस्लिमों की संख्या बढ़ानी जानी चाहिए।

Springboard Academy

→ महाराजा जयसिंह ने एक जाँच आयोग का गठन किया।

सदस्य - दुर्जन सिंह
गजनाफर अली
गणेशी लाल

→ यासीन खाँ के कहने पर किसानों ने जाँच आयोग का बहिष्कार कर दिया था।

→ आन्दोलन हिंसक तथा साम्प्रदायिक हो गया था।

→ 1933 ई. में तिजारा में साम्प्रदायिक दंगे हो गए थे।

→ अंग्रेजों ने महाराजा जयसिंह को हटा दिया।

→ वह पेरिस चला गया, वहीं उसकी मृत्यु हो गई थी।

शेखावाटी आन्दोलन →

1922 ई. में सीकर के सामन्त कल्याण सिंह ने करों में बढ़ोतरी कर दी।

→ जाट किसानों ने आन्दोलन प्रारम्भ किया।

Springboard Academy

नेता -
① रामनारायण चौधरी
② हरि ब्रह्मचारी

→ सीकर ठिकाने ने रामनारायण चौधरी के प्रवेश पर पाबन्दी लगा दी।

→ तरुण राजस्थान समाचार पत्र प्रतिबंधित कर दिया गया था।

→ ब्रिटेन के हाउस ऑफ कॉमन्स में पैथिक लॉरेन्स ने आन्दोलन की चर्चा की।

→ लन्दन के Daily Herald (हेराल्ड) नामक समाचार पत्र में आन्दोलन की खबरें प्रकाशित हुई।

→ 1925 ई० के पुष्कर अधिवेशन में अखिल भारतीय जाट महासभा ने आन्दोलन का समर्थन किया।

→ ठाकुर देशराज ने आन्दोलन का मोर्चा संभाला।

Springboard ACADEMY

→ 1931 ई० में जाट क्षेत्रीय महासभा का गठन किया गया था।

↳ प्रथम अधिवेशन -

1933 ई० पलथाना (सीकर)

जाट प्रजापति महायज्ञ →

20 जनवरी 1934 ई०

→ ठाकुर देशराज ने इसका आयोजन करवाया था (बसन्त पँचमी)

पुरोहित - खेमराज शर्मा

यजमान - हुकुम सिंह

→ 15 March 1935 ई० को सर छोटूराम चौधरी तथा रतन सिंह ने किसानों के साथ एक समझौता करवाया।

आन्दोलन के नेता -

① सरदार हरलाल सिंह → 1901 ई० में हनुमानपुरा (झुन्झुनू) में इनका जन्म हुआ।

→ झुन्झुनू में विद्यार्थी भवन की स्थापना की थी।

Springboard ACADEMY

→ यह किसान आन्दोलन की गतिविधियों का मुख्य केन्द्र था।

② नेतराम सिंह गौरीर (कमला बेनीवाल के पिता)

③ पन्ने सिंह बाटड़ानाउ

④ मास्टर चन्द्रभान

⑤ नरोत्तम लाल जोशी – इन्होंने शेखावाटी जकात आन्दोलन चलाया था।

→ राज० विधानसभा के प्रथम अध्यक्ष।

07/12/24

1938 ई० में जयपुर प्रजामण्डल ने आन्दोलन का समर्थन किया।

→ 1947 ई० में जयपुर के प्रधानमंत्री हीरालाल शास्त्री तथा राजस्व मंत्री टीकाराम पालीवाल ने किसानों के साथ समझौता करवाया था।

कटराथल सम्मेलन → 25 April 1934 A.D.

इस सम्मेलन में 10 हजार से अधिक महिलाओं ने भाग लिया था।

Springboard Academy

कारण - 'स्रोतिया का बास' नामक स्थान पर सीहोट के सामन्त मानसिंह ने महिलाओं से दुर्व्यवहार किया था।

अध्यक्षा - किशोरी देवी

मुख्य वक्ता - उत्तमा देवी (भरतपुर)

कूदन हत्याकाण्ड →
(सीकर) 25 April 1935 A.D.

धापी देवी नामक महिला के कहने पर किसानों ने कर देने से इन्कार कर दिया।

→ कैप्टन वेब किसानों पर फायरिंग कर देता है तथा इसमें कई किसान शहीद हो गए थे।

चेतराम
टीकूराम
तुलछाराम
आशाराम

→ हाउस ऑफ कामन्स में इस हत्या काण्ड की चर्चा की गई।

Springboard Academy

जयसिंहपुरा (झुन्झुनू) हत्याकाण्ड →

21 June 1934 A.D.

डूंडलोद के सामन्त के भाई ने किसानों पर फायरिंग कर दी।

→ * यह राज० का पहला किसान आंदोलन था जिसमें हत्यारों को सजा मिली थी।

अमर सेवा समिति → शेखावाटी क्षेत्र में

इस संगठन ने राजनीतिक चेतना का संचार किया था।

→ मास्टर प्यारेलाल ने इसकी स्थापना की थी।

→ इन्होंने गाँधीजी के असहयोग आन्दोलन में भाग लिया था।

→ इन्हें चिड़ावा का गाँधी कहा जाता है।

शेखावाटी के पंचपाने →

① नवलगढ़ झुन्झुनू
② मंडावा
③ डूंडलोद
④ मलसीसर
⑤ बिसाऊ

Springboard ACADEMY

एनी हडसन – ब्रिटेन की लेबर पार्टी के नेता थे।

→ हाउस ऑफ कॉमंस में किसानों से संबंधित मुद्दे उठाते थे।

भरतपुर आन्दोलन :-

कारण →
① अधिक भू राजस्व
② शिक्षा, स्वास्थ्य तथा सड़क पर नए कर लगाए गए थे।
③ 1929 ई. की महान आर्थिक मंदी।

नेता - लम्बरदार भोज

बिजौलिया किसान आन्दोलन के जाँच आयोग

1919 A.D.
- बिन्दुलाल भट्टाचार्य
- अमर सिंह
- अफजल अली

1920 A.D.
- राजसिंह बेदला
- तख्त सिंह मेहता
- रमाकान्त मालवीय

Springboard Academy

Springboard ACADEMY

राज० के जनजातीय आन्दोलन

जनजातीय आन्दोलन के कारण →

① अंग्रेजी शासन के दौरान जनजातियाँ प्रशासनिक परिवर्तनों को समझ नहीं पाई थी।

② इनकी परम्परागत कृषि व्यवस्था में हस्तक्षेप किया गया था।

③ राजा तथा सामन्त अधिक भू राजस्व लेते थे तथा इसे समय-2 पर बढ़ा दिया जाता था।

④ भू राजस्व नकद में लिया जाता था अतः किसान साहूकारों के चुंगल में फँस गए थे।

⑤ राजा तथा सामन्त जनजातियों से बेगार लेते थे।

⑥ जनजातियों के सामाजिक रीति रिवाजों में हस्तक्षेप किया गया था।

जैसे - मेवाड़ महाराणा स्वरूप सिंह ने [1853 A.D.]

Springboard Academy

डाकन प्रथा पर रोक लगा दी थी।

⑦ जनजातियों की परम्परागत न्याय व्यवस्था में हस्तक्षेप किया गया था।
जैसे - मौताणा।

⑧ जेम्स टॉड ने बोलाई (राजमार्ग कर) कर तथा रखवाली (सुरक्षा) कर समाप्त कर दिए।
↳ यह कर जनजातियों द्वारा लिए जाते थे।

⑨ अँग्रेजी शासन के दौरान राजाओं की सेना समाप्त कर दी गई थी।
अतः जनजातियाँ बेरोजगार हो गई थी।

⑩ जनजातिय क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए अंग्रेजों ने नई सेनाओं का गठन किया।
जैसे - मेवाड़ भील कोर
मेरवाड़ा बटालियन
→ इन सेनाओं का खर्च जनजातियों पर डाल दिया गया था।

⑪ ईसाई मिशनरियों द्वारा जनजातियों का धर्मान्तरण किया जा रहा था।

Springboard ACADEMY

⑫ नई आबकारी नीति के तहत जनजातियों की महुआ शराब पर रोक लगा दी गई थी।

⑬ 1881 ई० की पहली जनगणना के दौरान कुछ अफवाहों के कारण जनजातीयों में आक्रोश था।

मेर विद्रोह :- 1821 ई०

झाक नामक स्थान से आंदोलन प्रारम्भ हुआ था।

→ अंग्रेजों ने इस आन्दोलन को दबा लिया था।

→ 1822 ई० में अंग्रेजों ने मेरवाड़ा बटालियन (ब्यावर) का गठन कर दिया था।

मीणा विद्रोह → 1851 A.D.

जहाजपुर (भीलवाड़ा) परगने में यह आन्दोलन हुआ।

→ लेकिन अंग्रेजों ने इस विद्रोह को दबा दिया।

→ 1855 ई॰ अंग्रेजों ने मीणा बटालियन का गठन कर दिया था (देवली)

<u>भील विद्रोह</u> → 1881 ई॰

बारापाल नामक स्थान से यह आन्दोलन प्रारम्भ हुआ था।

<u>नेता</u> – नीमा
खेमा
जोमता

→ ऋषभदेव मंदिर में कवि राजा श्यामल दास जी (मेवाड़ महाराणा के प्रतिनिधि) ने भीलों के साथ समझौता कर लिया था।

<u>भगत आन्दोलन</u> →
वागड़ क्षेत्र में भील जनजाति द्वारा यह आन्दोलन प्रारम्भ किया गया था।

<u>नेता</u> – ① गोविन्द गिरी
② सुरजी भगत

<u>गोविन्द गिरी</u> →
बेदसा नामक गाँव में एक बन्जारा परिवार में इनका जन्म हुआ था।

Springboard ACADEMY

गुरु - राजगिरि

→ स्वामी दयानन्द सरस्वती से प्रभावित हुए।

→ इन्होंने एकेश्वरवाद पर बल दिया था।

→ 1883 ई. में भीलों में आपसी एकता को बढ़ाने के लिए सम्प सभा की स्थापना की गई थी।

→ इन्होंने गाँव में पंचायतों की स्थापना की थी।

→ गाँव में कोतवालों की नियुक्तियाँ की गई थी।

→ स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग का समर्थन किया था।

→ 1903 ई. में सम्प सभा का पहला अधिवेशन मानगढ़ (बाँसवाड़ा) पहाड़ी पर आयोजित किया गया था।

→ 1910 ई. में सम्प सभा ने अपनी 33 मांगे सरकार के समाने रखी लेकिन सरकार ने इन माँगों पर

Singh Academy

कोई ध्यान नहीं दिया था ।

→ 1911 ई० में वेदसा आन्दोलन का मुख्य केन्द्र बन गया था ।

→ 1911 ई० में गोविन्द गिरी ने भगत पंथ की स्थापना की थी ।

मानगढ़ हत्याकाण्ड → 17 Nov. 1913 A.D.

सम्प सभा के अधिवेशन पर अंग्रेजी पुलिस द्वारा फायरिंग की गई ।

→ इसमें 1500 से अधिक भील शहीद हो गए थे ।

→ इसे राज० का जलियावाला बाग हत्याकाण्ड कहा जाता है।

→ गोविन्द गिरी तथा पूंजा धीरजी को गिरफ्तार कर लिया गया था ।

→ 7 साल बाद गोविन्द गिरी को रिहा कर दिया गया था ।

→ इन्होंने अपना शेष जीवन काम्बिया (Gujarat) में शांतिपूर्वक बिताया ।

→ झालोद नामक स्थान पर अपने अनुयायियों को उपदेश देते थे ।

→ यह अहिंसा के समर्थक थे ।

→ इनका सफेद झण्डा शांति का प्रतीक था।

V. K. वशिष्ठ की पुस्तक - भगत आन्दोलन

→ ईडर रियासत में भी गोविन्द गिरी ने भीलों में राजनैतिक चेतना का संचार किया था।

→ 1910 ई. में पालपट्टा के सामन्त को भीलों की 21 मांगे माननी पड़ गई थी।

एकी आन्दोलन :-

भोमट भील आन्दोलन

→ गोगुन्दा, झाडोल तथा कोटड़ा क्षेत्रों में भील तथा गरासिया जनजाति द्वारा यह आन्दोलन प्रारम्भ किया गया था।

→ यह आन्दोलन मातृकुण्डिया नामक स्थान से प्रारम्भ हुआ था।

नेता - मोतीलाल तेजावत।

Springboard Academy

मोतीलाल तेजावत :- कोल्यारी नामक गाँव में एक ओसवाल परिवार में इनका जन्म हुआ था।

→ यह पहले झाड़ोल ठिकाने में कार्य करते थे।

→ इन्होंने सरकार के सामने 21 माँगे रखी थी, जिन्हें 'मेवाड़ की पुकार' कहा जाता है।

→ इनमें से तीन माँगे स्वीकार नहीं की गई थी -

① वन सम्पदा अधिकार
② बेगार
③ जंगली सूअरों की समस्या

→ धीरे-2 यह आन्दोलन अन्य क्षेत्रों में भी फैल जाता है - बागड़, ईडर, सिरोही,

नीमंडा हत्याकाण्ड → 7 March 1922 ई.

• भीलों की एक सभा पर पुलिस द्वारा फायरिंग की गई तथा इसमें 1200 से अधिक भील शहीद हुए।

Springboard Academy

→ मोतीलाल तेजावत फरार हो गए थे।

→ 4 June 1929 ई० को खेडब्रह्म (ईडर) [Gujarat] नामक स्थान पर गाँधीजी के कहने पर मोतीलाल तेजावत ने आत्मसमर्पण कर दिया।

→ अपने 'नवजीवन' समाचार पत्र में गाँधीजी ने मोतीलाल तेजावत की रिहाई की माँग की।

→ *Que. मणिलाल कोठारी (गाँधीजी का P.A) के हस्तक्षेप से 1936 ई० में मोतीलाल तेजावत को रिहा कर दिया गया था। (महाइन्द्राज सभा द्वारा)

→ कालान्तर में इन्होंने मेवाड़ प्रजामण्डल आन्दोलन में भी भाग लिया था।

→ इन्हें 'आदिवासियों का मसीहा' कहा जाता है।

→ आदिवासी इन्हें 'बावजी' कहते थे।

[महाइन्द्राज सभा -
यह मेवाड़ का सुप्रीम कोर्ट था।

→ 1880 ई० महाराणा सज्जन सिंह ने

स्थापना की थी।

अन्य नाम - इजलास खास]

सिरोही का एकी आन्दोलन →

Jan. 1922 ई॰ को भील व गरासिया जनजाति द्वारा यह आन्दोलन प्रारम्भ किया गया था।

नेता - मोतीलाल तेजावत

→ सिरोही के आदिवासी इन्हें 'मेवाड़ का गाँधी' कहते थे।

→ ईडर प्रजामण्डल ने इस आन्दोलन को समर्थन दिया।

→ जनजातियों को समझाने के लिए सिरोही के दीवान रामाकान्त मालवीय ने विजय सिंह पथिक को बुलाया।

→ पथिक ने जनजातियों तथा मोतीलाल तेजावत से मुलाकात की।

हत्याकाण्ड -

↙ सियावा — 12 April 1922 ई॰

↘ भूला / बालोलिया — 5/6 May 1922

Springboard Academy

तीन शहीद 11 शहीद

→ घोघर नामक स्थान से आन्दोलन पुनः प्रारम्भ किया गया लेकिन जनजातियाँ आन्दोलन से अलग हो गई।

मीणा आन्दोलन :-

1924 ई० में आपराधिक जनजाति अधिनियम पारित किया गया था तथा इसमें मीणा जनजाति को शामिल किया गया था।

→ 1930 ई० में जरायम पेशा कानून पारित किया गया था।

→ इस कानून के तहत प्रत्येक मीणा महिला पुरुष को थाने में हाजरी लगाना अनिवार्य कर दिया गया था।

→ मीणा जनजाति ने इन कानूनों का विरोध किया।

→ ★ Que.
1933 ई० में मीणा क्षेत्रीय महासभा का गठन किया गया था।

Springboard Academy

नेता - जवाहर राम
छोटू राम
महादेव राम

नीम का थाना सम्मेलन → 1944 ई०

→ सन्त मगन सागर ने इस सम्मेलन का आयोजन किया था।

→ इन्होंने मीन पुराण नामक पुस्तक भी लिखी थी तथा इसमें मीणा जनजाति का गौरवशाली इतिहास बताया गया था

मीणा सुधार समिति → 1944 ई०

अध्यक्ष - बंशीधर शर्मा
लक्ष्मीनारायण झरवाल
'राजेन्द्र कुमार अजेय'

बागावास सम्मेलन → 28 Oct. 1946 A.D.

26000 से अधिक चौकीदार मीणाओं ने इस्तीफे दिए तथा इसे मुक्ति दिवस के रूप मनाया।

→ 1952 ई० में जरायम पेशा कानून समाप्त कर दिया गया था।

Springboard Academy

राज॰ के राजनीतिक एवं सामाजिक संगठन

① **आर्य समाज →**

1875 ई॰ में स्वामी दयानन्द सरस्वती ने बॉम्बे में आर्य समाज की स्थापना की थी।

→ 1865 ई॰ में राजा मदनपाल के बुलाने पर स्वामी दयानन्द सरस्वती करौली आए थे।

→ यह उनकी पहली राज॰ यात्रा थी।

→ 1881 ई॰ में स्वामी जी भरतपुर आए थे।

→ इस समय अजमेर में आर्य समाज तथा जयपुर में वैदिक धर्म सभा स्थापित किए गए थे।

→ कविराजा श्यामलदास जी के बुलाने पर स्वामी जी चित्तौड़गढ़ पहुँचे।

Springboard Academy

→ गुलाब बाग (उदयपुर) के नौलखा महल में स्वामी जी ने सत्यार्थ प्रकाश का द्वितीय संस्करण लिखा था

→ Feb. 1883 ई. में उदयपुर में परोपकारिणी सभा की स्थापना की गई थी तथा महाराणा सज्जन सिंह को इसका सभापति बनाया गया था।

→ कालान्तर में परोपकारिणी सभा को अजमेर स्थानान्तरित कर दिया गया था।

★ Que. RAS

→ अजमेर में वैदिक यंत्रालय स्थापित किया गया था।

→ सत्यार्थ प्रकाश को अजमेर से प्रकाशित किया गया था।

→ प्रधानमंत्री सर प्रताप के बुलाने पर स्वामी जी जोधपुर गए थे।

→ महाराजा जसवन्त सिंह II तथा उनके मंत्री तेजसिंह स्वामी जी से प्रभावित थे।

Springboard Academy

→ जसवन्त सिंह II की प्रेमिका नन्हीं जान ने स्वामी जी को जहर दे दिया था।

→ 30 oct. 1883 ई. को दीपावली के दिन अजमेर में स्वामी जी की मृत्यु हो गई थी।

आर्य समाज के कार्यकर्ता →

- * विष्णु पांड्या (मेवाड़)
- * वासुदेव खंडेलवाल (अलवर)
- जुगल किशोरी चतुर्वेदी, मास्टर आदित्येन्द्र — भरतपुर
- चांदकरण शारदा, हरविलास शारदा, सुखदा देवी — AJMER
- कल्याण सिंह, श्यामलाल — Jaipur

→ कल्याण सिंह तथा श्यामलाल ने जैपुर में हिन्दी राजभाषा आन्दोलन चलाया था।

→ चांदकरण शारदा की पुस्तकें -

① विधवा विवाह-

② दलितोद्धार

आर्य समाज के समाचार पत्र →

① जगहित कारक

② जगलाभ चिन्तक

③ परोपकारक

→ 1885 ई० में सर प्रताप ने जोधपुर में बाल विवाह प्रतिरोधक अधिनियम पारित किया गया था।

② देश हितैषणी सभा :-

स्थापना - 2 जुलाई 1877 ई०

संस्थापक - महाराणा सज्जन सिंह

'उदयपुर'

→ कविराजा श्यामलदास जी भी इस सभा के सदस्य थे।

① विवाह संबंधित कठिनाइयों का सामना करना

② समाज सुधार

↑ मुख्य उद्देश्य

→ * राज० की किसी भी रियासत में यह समाज सुधार का पहला संगठन था।

Springboard ACADEMY

③ राजपूत हितकारिणी सभा :-

स्थापना - 1889 ई०

संस्थापक - वॉल्टर (A.G.G)

→ वॉल्टर राज० के राजपूतों में समाज सुधार करना चाहता था।

→ इसके लिए अजमेर में दो सम्मेलन आयोजित किए गए थे।

→ सम्मेलनों के निर्णय -

① बहुविवाह को समाप्त किया जाना चाहिए।

② विवाह की न्यूनतम आयु तय की जानी चाहिए (14, 18 वर्ष)

③ विवाह में होने वाले खर्च को सीमित किया जाना चाहिए।

④ त्याग प्रथा को समाप्त किया जाना चाहिए।

→ कानूनी बाध्यता नहीं होने के कारण समाज सुधार के प्रयास सफल नहीं हो पाए थे।

→ अतः 1936 ई० में इस संगठन को बन्द कर दिया गया था।

Springboard ACADEMY

④ वीर भारत सभा →

स्थापना - 1910 ई०

संस्थापक - केसरी सिंह बारहठ

→ यह संगठन अभिनव भारत की राज० शाखा था।

⑤ हिन्दी साहित्य समिति →

स्थापना - 1912 ई०, भरतपुर

संस्थापक - जगन्नाथ दास अधिकारी

↳ समाचार पत्र - वैभव

→ 1927 ई० में भरतपुर में हिन्दी सम्मेलन का आयोजन किया गया था।

अध्यक्ष - गौरीशंकर हीराचन्द ओझा

→ रवीन्द्र नाथ टैगोर तथा जमनालाल बजाज ने इस सम्मेलन में भाग लिया था।

→ भरतपुर महाराजा किशन सिंह ने हिन्दी को राष्ट्रभाषा घोषित कर देता है।

→ [अंग्रेजों ने इन्हें हटा दिया था तथा डंकन मैकेंजी को भरतपुर का प्रशासक बना दिया था।]

प्रताप सभा →

स्थापना - 1915 ई., उदयपुर

संस्थापक - बलवन्त सिंह मेहता

→ इस संगठन ने प्रताप जयन्ती मनाना तथा हल्दीघाटी मेला लगाना प्रारम्भ किया था।

Mains Imp

राजपूत मध्य भारत सभा →

स्थापना - 1918

स्थान - मारवाड़ी पुस्तकालय, चाँदनी चौक (दिल्ली)

संस्थापक - जमनालाल बजाज
विजयसिंह पथिक
चाँदकरण शारदा
गणेश शंकर विद्यार्थी
नरसिंह देव सरस्वती

मुख्यालय - AJMER

Springboard ACADEMY

उद्देश्य -

(i) रियासतों में राजनैतिक चेतना का संचार करना।

(ii) रियासतों में उत्तरदायी शासन की स्थापना करना।

(iii) रियासतों में कांग्रेस के सदस्य बनाना।

अधिवेशन -

1918 → दिल्ली → गिरधर शर्मा

1919 → अमृतसर -

*March 1920 → अजमेर → जमनालाल बजाज

Dec. 1920 → नागपुर → गणेश नारायण सोमाणी

↳ इस (Dec. 1920) अधिवेशन में N.C केलकर को अध्यक्ष चुना गया लेकिन वह इस अधिवेशन में शामिल नहीं हुए।

→ इस अधिवेशन में विजय सिंह पथिक ने किसानों की एक प्रदर्शनी का आयोजन किया था।

Springboard Academy

→ इस अधिवेशन में इस संगठन को कांग्रेस का सहयोगी संगठन घोषित कर दिया था।

Mains

राजस्थान सेवा संघ →

स्थापना - 1919

स्थान - वर्धा, महाराष्ट्र

Que * संस्थापक - * विजय सिंह पथिक
* रामनारायण चौधरी
* हरिभाई किंकर
केसरी सिंह बारहठ
अर्जुन लाल सेठी

मुख्यालय - AJMER

उद्देश्य - (i) जनता की समस्याओं का समाधान करना।
(ii) जनता तथा राजा के बीच अच्छे संबंधों की स्थापना करना।

→ इस संगठन ने राज॰ में किसान आन्दोलनों का नेतृत्व किया।

→ 1928 - 29 ई॰ में नेताओं के आपसी मतभेदों के कारण यह संगठन बंद हो गया था।

Springboard Academy

राजपूताना हरिजन संघ →

स्थापना - 1934

अध्यक्ष - हर विलास शारदा

→ [1932 ई. में गाँधीजी ने अखिल भारतीय हरिजन संघ की स्थापना की थी तथा घनश्याम दास बिड़ला को इसका अध्यक्ष बनाया गया था]

→ हरिविलास शारदा एक अच्छे इतिहासकार भी थे।

खांडलाई आश्रम :-
(डूंगरपुर)

स्थापना - 1934

संस्थापक - माणिक्य लाल वर्मा

→ इस संगठन ने आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा का प्रचार प्रसार किया था।

महिला मण्डल -

स्थापना - 1935 ई उदयपुर

*Q. संस्थापक - दयाशंकर श्रोत्रिय

Springboard ACADEMY

वागड़ सेवा मंदिर →

स्थापना - 1935 ई०

संस्थापक - भोगीलाल पांड्या (वागड़ के गाँधी)

गौरीशंकर उपाध्याय

↳ समाचार पत्र - सेवक

वागड़ सेवा संघ →

स्थापना - 1938 ई०

संस्थापक - भोगीलाल पांड्या

→ इस संगठन ने भारत छोड़ो आन्दोलन में भाग लिया था।

वनवासी सेवा संघ →

स्थापना - 1940 ई०

संस्थापक - भोगीलाल पांड्या

भूरेलाल बया

मानसिंह

→ आदिवासी क्षेत्रों में यह संगठन विद्यालय, पुस्तकालय तथा छात्रावास सुविधा उपलब्ध कराता था।

Springboard ACADEMY

महिला शिक्षा सदन :-

स्थापना - 1945 ई. हटूंडी

संस्थापक - हरिभाऊ उपाध्याय

(16) * सर्व सेवा संघ - सिद्धराज ढड्ढा

(17) मित्र मण्डल - साधु सीताराम दास

(18) विद्यार्थी यूथ लीग - टीकाराम पालीवाल

(19) मारवाड़ किसान सभा - बलदेव राव मिर्धा

↳ प्रथम अध्यक्ष - मंगल सिंह कच्छावा

Springboard ACADEMY

राज॰ के स्वतंत्रता सेनानी

→ राज॰ सरकार ने देश के दिवाने नामक पुस्तक प्रकाशित की तथा इस पुस्तक में 51 स्वतंत्रता सेनानियों का वर्णन किया गया है।

① <u>अर्जुनलाल सेठी</u> :-

यह जयपुर के रहने वाले थे।

→ इन्होंने महाराजा कॉलेज से B॰A॰ किया था।

→ चौमू के सामन्त देवीसिंह के सचिव थे।

→ जयपुर महाराजा माधोसिंह II इन्हें प्रधानमंत्री बनाने चाहते थे।

→ तब इन्होंने कहा था कि "यदि अर्जुनलाल नौकरी करेगा तो अंग्रेजों को देश से बाहर कौन निकालेगा।

→ मथुरा के जैन विद्यालय में शिक्षक बन गए।

→ इन्होंने जैन शिक्षा प्रचारक समिति का गठन किया था।

→ *1908 ई॰ में जयपुर में वर्द्धमान विद्यालय की स्थापना की थी।

→ यह क्रांतिकारियों की पाठशाला थी।

→ यह दिल्ली बमकाण्ड से जुड़े हुए थे (1912 ई॰)

→ 1913 ई॰ के नीमेज (आरा, बिहार) हत्याकाण्ड में इन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था।

→ अंग्रेजों ने इन्हें वैलूर जेल में रखा।

→ इन्होंने जेल में भूख हड़ताल की।

→ कालान्तर में गाँधीजी के असहयोग आन्दोलन में शामिल हो गए थे।

→ राजपूताना व मध्य भारत में इन्हें कांग्रेस का अध्यक्ष बनाया गया।

→ कालांतर में इन्होंने राजधानी छोड़ दिया तथा अजमेर की दरगाह में अरबी फारसी पढ़ाया करते थे।

Springboard Academy

→ अपनी अजमेर यात्रा के दौरान गाँधीजी ने इनसे मुलाकात की थी।

→ मृत्यु के बाद इन्हें दफनाया गया था।

<u>पुस्तकें</u> -
① स्त्री मुक्ति
② शूद्र मुक्ति

<u>नाटक</u> -
महेन्द्र कुमार
मदन पराजय
पार्श्व यज्ञ

→ अर्जुन लाल सेठी ने जयपुर में अशफाक उल्ला खाँ को सर दी थी (काकोरी ट्रेन एक्शन)

केसरी सिंह बारहठ →

जन्मस्थान - देवखेड़ा (शाहपुरा)

→ मेवाड़ तथा कोटा रियासतों में कार्य किया था।

→ इनके कहने पर श्याम जी कृष्ण वर्मा ने मेवाड़ रियासत में काम किया।

Springboard ACADEMY

→ 1903 ई० में गवर्नर जनरल लॉर्ड कर्जन ने दिल्ली दरबार का आयोजन किया था।

→ मेवाड़ महाराणा फतेह सिंह इस दरबार में भाग लेने के लिए जा रहे थे

→ इस समय केसरी सिंह बारहठ ने उन्हें 13 दोहे लिखकर भेजे थे। जिन्हें "चेतावनी रा चूंगट्या" कहा जाता है।

→ इन्हें पढ़ने के बाद फतेह सिंह ने दिल्ली दरबार में भाग नहीं लिया था।

→ कोटा में इन्हें Superintendent of Ethnography बनाया गया।

→ 1912 ई० के महंत प्यारेलाल हत्याकाण्ड (कोटा में) अंग्रेजों ने इन्हें गिरफ्तार कर लिया तथा हजारीबाग जेल में रखा।

→ कालान्तर में गाँधीजी के पास वर्धा चले गए थे।

Springboard Academy

पुस्तकें -

1. प्रताप चरित्र
2. राजसिंह चरित्र
3. रूठी रानी चरित्र
4. दुर्गादास चरित्र
5. श्यामलदास जी की जीवनी
6. बुद्धचरित (अश्वघोष) का हिन्दी अनुवाद
7. मैजिनी की जीवनी का अनुवाद

शिक्षा संबंधित विचार :-

1. English → हिन्दी
2. Mayo college → क्षत्रिय कॉलेज
3. England → जापान

→ महंत प्यारेलाल हत्याकाण्ड के अन्य आरोपी -
1. सोमदत्त लहरी
2. हीरालाल जालौरी
3. लक्ष्मी लाल भटनागर (सरकारी गवाह)

नीमेज हत्याकाण्ड के अन्य आरोपी -
1. मोतीचन्द (फाँसी)
2. विष्णुदत्त (कालापानी)

SpringBoard ACADEMY

③ जयचन्द ⎤
④ जोरावर सिंह ⎦ - फरार
⑤ माणिकचन्द ⎤
⑥ शिवनारायण ⎦ - सरकारी गवाह]

→ [श्याम जी कृष्ण वर्मा अजमेर के नगरपालिका के प्रथम अध्यक्ष थे।]

जोरावर सिंह बारहठ →

केसरी सिंह बारहठ के छोटे भाई थे।

→ दिल्ली बम काण्ड एवं नीमेज हत्याकाण्ड से जुड़े हुए थे।

→ लेकिन अंग्रेज इन्हें गिरफ्तार नहीं कर पाए थे।

→ इन्होंने अपना शेष जीवन अमरदास बैरागी के रूप में बिताया था।

प्रताप सिंह बारहठ →

यह केसरी सिंह बारहठ के पुत्र थे।

→ दिल्ली बम काण्ड से जुड़े हुए थे।

Springboard Academy

→ बनारस षड्यन्त्र मुकदमे में गिरफ्तार कर लिया गया था।

→ बरेली जेल में पुलिस प्रताड़ना में इनकी हत्या कर दी गई थी।

→ अंग्रेज अधिकारी चार्ल्स क्लीवलैंड ने प्रताप सिंह बारहठ की बहादुरी की प्रशंसा की।

→ बीकानेर रियासत ने प्रताप सिंह के प्रवेश पर पाबन्दी लगा दी थी।

ईश्वर दान आसिया →

केसरी सिंह बारहठ के दामाद थे।

→ दिल्ली बम काण्ड से संबंधित थे।

* → रासबिहारी बोस ने केसरी सिंह बारहठ के परिवार की प्रशंसा की थी।

राव गोपाल सिंह खरवा →

यह खरवा के सामन्त थे।

→ रास बिहारी बोस भारत में सशस्त्र क्रांति करना चाहते थे तथा राज॰ में

Springboard Academy

इसकी जमींदारी गोपाल सिंह खरवा को दी गई।

→ इसके लिए 21 Feb. 1915 का दिन तय किया गया।

→ अंग्रेजों को योजना का पता चल गया था, गोपाल सिंह खरवा को गिरफ्तार कर लिया गया तथा टॉडगढ़ (AJMER) जेल में रखा गया।

→ लेकिन जेल से फरार हो गए अतः अंग्रेजो ने इन्हें दुबारा गिरफ्तार किया तथा अजमेर में रखा गया (तिहाड़ जेल)

→ कालान्तर में इन्हें शाहजहाँपुर जेल भेज दिया गया था।

→ उन्होंने अजमेर तथा जोधपुर के राजपूत सैनिकों को क्रांति में शामिल किया था।

[टॉडगढ़ का पुराना नाम - बरसावाड़ा]

Springboard Academy

बालमुकुन्द बिस्सा →

जन्मस्थान - पीलवा (डीडवाना)

→ मारवाड़ प्रजामण्डल आन्दोलन से जुड़े हुए थे।

→ नागौर तथा जोधपुर में खादी भण्डार स्थापित किए थे।

→ 19 June 1942 ई० को जोधपुर जेल में भूख हड़ताल में शहीद हो गए थे।

→ इन्हें 'राज० का जतिनदास' कहा जाता है।

सागरमल गोपा → यह जैसलमेर के रहने वाले थे।

→ इन्होंने नागपुर में जैसलमेर प्रजा मण्डल की स्थापना की।

→ इन्होंने राजतंत्र तथा अंग्रेजी शासन का विरोध किया।

→ जैसलमेर तथा हैदराबाद रियासतों ने इनके प्रवेश पर पाबन्दी लगा दी।

→ 1941 ई॰ में राजद्रोह के आरोप में इन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। तथा 6 वर्षों की सजा सुनाई गई।

→ 4 April 1946 ई॰ को जैसलमेर जेल में इन्हें जिन्दा जला दिया गया।

→ इनकी हत्या की जाँच के लिए गोपाल स्वरूप पाठक आयोग बनाया गया।

सागरमल गोपा की पुस्तकें →

① जैसलमेर के गुण्डाराज
② आजादी के दिवाने
③ रघुनाथ सिंह का मुकदमा।

रमेश स्वामी → 05 Feb. 1947 ई॰ को बेगार विरोधी आन्दोलन के दौरान शहीद हो गए (बस द्वारा कुचल दिया)

शांतिलाल / आनन्दीलाल → 5 April 1948 ई॰ को उदयपुर में पुलिस फायरिंग में शहीद हो गई थे।

Springboard ACADEMY

लूणकरण | रामकरण | खूबाराम -

20 May 1948 ई० को मौरिजा (Jaipur) में पुलिस फायरिंग में शहीद हो गए थे।

ज्वाला प्रसाद शर्मा →

यह अजमेर के रहने वाले थे।

→ यह H.S.R.A के सदस्य थे।

→ इन्होंने कई क्रांतिकारी गतिविधियों में भाग लिया था।

जैसे - ① मेयो कॉलेज बम काण्ड

② डीगरा काण्ड

③ अजमेर रेल हड़ताल

बिजय सिंह पथिक →

जन्मस्थान - गुठावली, बुलन्दशहर U.P.

वास्तविक नाम - भूपसिंह

→ रास बिहारी बॉस ने इन्हें क्रांति के लिए राज० भेजा था।

→ यह गोपाल सिंह खरवा के सहयोगी।

→ अंग्रेजों को क्रांति की योजना का पता चल गया, अतः इन्हें गिरफ्तार कर लिया गया तथा टॉडगढ़ जेल में रखा लेकिन यह जेल से फरार हो गए।

→ ओछड़ी (चित्तौड़) में विद्या प्रचारिणी सभा की स्थापना की थी।

→ राज० में किसान आंदोलनों के जनक थे।

संगठन - वीर भारत समाज।

Books - अजयमेरु

what are the indian States?

जमनालाल बजाज →

जन्मस्थान - काशी का बास (सीकर)

अन्य नाम - (i) गांधीजी का पाँचवा पुत्र

(ii) गुलाम नम्बर चार

(तिलक का समाचार पत्र) → केसरी समाचार पत्र के लिए 100 रु० की आर्थिक सहायता दी थी।

→ असहयोग आन्दोलन के दौरान तिलक स्वराज फण्ड में 1 लाख रु० जमा करवाए।

→ असहयोग आन्दोलन के दौरान इन्होंने

अपनी राय बहादुर की उपाधि त्याग दी

→ इन्होंने मुस्लिम लीग को 11 हजार रु. की आर्थिक सहायता दी थी।

संगठन - चरखा संघ

→ अमरसर (Jaipur)

→ बलवन्त सांवलाराम देशपाण्डे के साथ मिलकर।

हीरालाल शास्त्री :-

निवाई (टोंक) में जीवन कुटीर की स्थापना की।

→ कालान्तर में यह संगठन वनस्थली विद्यापीठ में बदल गई थी।

→ यह महिला शिक्षा के लिए समर्पित है

→ यहाँ पंचमुखी शिक्षा दी जाती है।

आत्मकथा - प्रत्यक्ष जीवनशास्त्र

गीत - प्रलय प्रतीक्षा नमो नमो

दामोदर दास राठी :-

यह पोकरण के रहने वाले थे।

→ इन्होंने ब्यावर में कई संस्थाओं का गठन किया था।

जैसे - कृष्णा मिल

नागरी प्रचारिणी सभा

Springboard ACADEMY

होमरूल लीग
सनातन धर्म विद्यालय

→ इन्होंने हिन्दी भाषा का बढ़ावा दिया था इसलिए कृष्णा मिल के सभी खाते बही हिन्दी में रखना प्रारम्भ कर दिया।

→ इनके कहने पर अजमेर के कमीश्नर ने सभी कार्यालयों में हिन्दी के प्रयोग को अनुमति दी।

→ स्वतंत्रता सेनानियों की आर्थिक सहायता करते थे।

दामोदर दास
नृसिंह अग्रवाल
घीसूलाल जाजोदिया
→ स्वतंत्रता संग्राम के भामाशाह

दामोदर लाल व्यास → यह मालपुरा के रहने वाले थे।

→ इन्हें 'राज० का लौह पुरुष' कहा जाता है।

अंजना देवी चौधरी →

जन्मस्थान - श्रीमाधोपुर (नीम का थाना)

→ मेवाड़ तथा बून्दी के किसान आंदोलनों में भाग लिया था।

→ नमक सत्याग्रह के दौरान इन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था।

→ यह राज० की किसी रियासत की पहली महिला था जिन्हें स्वतंत्रता संग्राम में गिरफ्तार किया गया।

<u>रमा देवी जोशी</u> →

स्थान - जयपुर

पति - लादू राम जोशी (विधवा पुनर्विवाह)

→ बिजौलिया आन्दोलन के दौरान इन्हें गिरफ्तार कर लिया गया तब इन्होंने कहा की "जब तक किसानों पर अत्याचार समाप्त नहीं होंगे। बार-बार यहाँ आती रहूँगी।"

→ सविनय अवज्ञा आन्दोलन के दौरान भी इन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

<u>जानकी देवी बजाज</u> →

जन्मस्थान - जावरा (M.P.)

→ इन्होंने अपना लम्बा समय वर्धा आश्रम में बिताया था।

→ नमक सत्याग्रह के दौरान इन्हें 6 महीने की जेल हुई।

→ 1933 ई॰ में कलकत्ता के मारवाड़ी सम्मेलन में इन्हें अध्यक्ष बनाया गया था।

→ 1944 ई॰ में इन्हें जयपुर प्रजामण्डल का अध्यक्ष बनाया गया।

→ यह गौ सेवा आयोग की भी अध्यक्ष थी।

→ विनोबा भावे के भू दान आन्दोलन में भाग लिया।

→ इन्होंने 108 कुँओं का निर्माण करवाया था।

→ 1956 ई॰ में इन्हें पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था [राज॰ में प्रथम)

रतन शास्त्री →

जन्मस्थान - खाचरोद (M.P.)

→ जयपुर प्रजामण्डल के सत्याग्रह में भाग लिया था।

→ भारत छोड़ो आन्दोलन के दौरान इन्होंने भूमिगत कार्यकर्ताओं तथा उनके परिवारों की सेवा की।

Springboard ACADEMY

→ 1955 ई॰ में इन्हें पद्म श्री से सम्मानित किया गया (राज॰ की प्रथम महिला)

→ 1975 ई॰ में इन्हें पद्म भूषण से सम्मानित किया गया।

नारायणी देवी वर्मा →

जन्म स्थान - सिंगोली (M.P.)

→ 1944 ई॰ में भीलवाड़ा में महिला आश्रम की स्थापना की।

→ कालान्तर में इन्हें राज्यसभा का सदस्य बनाया गया था (1970-76)

प्रकाशवती सिन्हा AJMER

दुर्गावती शर्मा JAIPUR

सरस्वती बोहरा भरतपुर

कमला स्वाधीन } KOTA
कुसुम गुप्ता

राज कौर }
सिरे कंवर } Jodhpur
सावित्री देवी भाटी }

RAS Prel 2013 *

14/12/24

राज० के समाचार पत्र

① मजहरुल सरूर →
1849 ई० में भरतपुर राज्य द्वारा इसे प्रकाशित किया जाता है

→ यह एक द्विभाषी समाचार पत्र था।
(हिन्दी & उर्दू)

→ यह राज० का पहला समाचार पत्र माना जाता है।

② जोधपुर गवर्नमेंट गजट 1864 ई०
③ मारवाड़ गजट 1866 ई०
④ मरुधर मित्र 1866 ई०
→ मारवाड़ राज्य द्वारा प्रकाशित

⑤ उदयपुर गजट → 1869 ई० में मेवाड़ राज्य द्वारा इसे प्रकाशित किया गया था।

→ 1879 ई० में इसका नाम बदलकर सज्जन कीर्ति सुधाकर कर दिया गया था।

→ यह राज० का पहला साप्ताहिक समाचार

पत्र था।

⑥ सर्वहित →
1890 ई० में बून्दी राज्य द्वारा इसे प्रकाशित किया जाता है।

→ इस समाचार पत्र में मुद्रण संख्या लिखी जाती थी।

⑦ राजपूताना अखबार → / रोजतुल तालीम
1856 ई० में कन्हैयालाल इसे जयपुर से प्रकाशित करते थे।

→ यह एक द्विभाषी समाचार पत्र था। (हिन्दी व उर्दू)

⑧ देश हितैषी →
1882 ई० में मुन्नालाल वर्मा इसे अजमेर से प्रकाशित करते थे

→ यह आर्य समाज की विचारधारा का समाचार पत्र था।

⑨ राजपूताना गजट →
1885 ई० में मौलवी मुराद अली बीमार इसे अजमेर से प्रकाशित करते थे।

Springboard Academy

→ सरकार की आलोचना के कारण इन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

→ मोती बेगम नामक महिला भी इस समाचार पत्र से जुड़ी हुई थी।

⑩ राजपूताना हेराल्ड →

1885 ई॰ में हनुमान सिंह इसे अजमेर से प्रकाशित करते थे।

→ इस समाचार पत्र ने A.G.G. पाउलेट तथा जोधपुर के प्रधानमंत्री सर प्रताप की आलोचना की थी।

→ यह अंग्रेजी का पहला समाचार पत्र था जिसने राज॰ में राजनीतिक चेतना का संचार किया था।

⑪ राजस्थान समाचार →

1889 ई॰ में मुंशी समर्थ दान चारण इसे अजमेर से प्रकाशित करते थे।

→ यह पहले एक साप्ताहिक समाचार पत्र था लेकिन बाद में इसे दैनिक कर दिया गया था।

Springboard Academy

→ प्रारम्भ में यह आर्य समाज से संबंधित खबरें प्रकाशित करता था लेकिन बाद में यह राजनीतिक खबरें भी प्रकाशित करता था।

→ 1896 ई० में अंग्रेजों ने झालावाड़ के राजा जालिम सिंह II को हटा दिया था तब इस समाचार पत्र ने इसकी आलोचना की।

⑫ राजस्थान केसरी → 1920 ई० में इसे वर्धा से प्रकाशित किया जाता था।

→ इसका नामकरण केसरी सिंह बारहठ के नाम पर किया गया।

→ जमनालाल बजाज इसे वित्तीय सहायता प्राप्त करते थे।

सम्पादक - विजय सिंह पथिक

उप सम्पादक - राम नारायण चौधरी

→ जब विजय सिंह पथिक अजमेर आ गए थे तब सत्यदेव विद्यालंकार ने इसका प्रकाशन किया।

Spingly Academy

→ कालान्तर में इसे अजमेर से भी प्रकाशित किया गया।

→ 1922 ई॰ में इसे बन्द कर दिया गया।

(13) नवीन राजस्थान →

1922 ई॰ में विजय सिंह पथिक इसे अजमेर से प्रकाशित करते थे।

सम्पादक - किशोर सिंह वर्मा

→ यह 'राज॰ सेवा संघ का 'मुखपत्र' था

→ इस समाचार पत्र ने बिजौलिया, बेंगू तथा एकी आन्दोलन की खबरें प्रकाशित की थी।

ध्येय वाक्य →

यश वैभव की चाह नहीं,
चाह नहीं जीवन रहे ना रहे।
चाह है तो बस यह है,
जग में स्वेच्छाचार दमन ना रहे॥

→ 1923 ई॰ में इस समाचार पत्र पर प्रतिबंध लगा दिया गया। अतः इसका नाम बदलकर तरुण राजस्थान कर दिया गया था।

Springboard Academy

(14) तरुण राजस्थान →
1923 ई० में
रामनारायण चौधरी तथा शोभालाल गुप्त
इसे अजमेर से प्रकाशित करते थे।

→ इस समाचार पत्र ने बून्दी तथा
नीमूचणा आन्दोलनों की खबरें
प्रकाशित की थी।

→ कोटा के नयनूराम शर्मा तथा करौली
के मदनसिंह इस समाचार पत्र से
जुड़े हुए थे।

→ जयनारायण व्यास ने इस समाचार
पत्र को ब्यावर से प्रकाशित किया था।

(15) Young Rajasthan :-
1929 ई० में रामनारायण
चौधरी तथा शोभालाल गुप्त इसे
अजमेर से प्रकाशित करते थे।

(16) आर्य मार्तंड →
1923 ई० में रामसहाय
शर्मा इसे अजमेर से प्रकाशित करते
थे।

→ यह समाचार पत्र विधवा विवाह के लिए
निः शुल्क विज्ञापन प्रकाशित करता था।

Springboard Academy

(17) त्यागभूमि →

1927 ई॰ में हरिभाऊ उपाध्याय तथा क्षेमानन्द राहत इसे अजमेर से प्रकाशित करते थे।

→ यह समाचार पत्र गाँधीवादी विचारधारा को प्रोत्साहित देता था।

→ इस समाचार पत्र के 64 में से 16 पृष्ठ महिलाओं से संबंधित होते थे। (आधी दुनिया)

(18) नवज्योति →

2 Oct. 1936 ई॰ को रामनारायण चौधरी ने इसे अजमेर से प्रकाशित किया।

→ कालान्तर में कैप्टन दुर्गाप्रसाद चौधरी इसे प्रकाशित करते थे।

(19) नवजीवन →

1939 ई॰ में नारायण सिंह तथा कनक मधुकर इसे अजमेर से प्रकाशित करते थे।

→ कनक मधुकर ने इसे उदयपुर से भी प्रकाशित करते थे।

(20) <u>प्रजासेवक</u> →
1940 ई॰ को अचलेश्वर प्रसाद शर्मा इसे जोधपुर से प्रकाशित करते थे।

(21) <u>जयभूमि</u> →
1940 ई॰ में गुलाबचन्द काला इसे जयपुर से प्रकाशित करते।

(22) <u>जयपुर समाचार</u> →
1942 ई॰ में श्यामलाल इसे जयपुर से प्रकाशित करते थे।

(23) <u>राजस्थान हेराल्ड</u> -
1942 ई॰ में केसर लाल जैन इसे जयपुर से प्रकाशित करते थे।

(24) <u>प्रचार</u> - 1942 ई॰ में प्रियतम कामदार इसे अजमेर से प्रकाशित करते थे।

<u>ध्येय वाक्य</u> -
चोर, पापी तथा उल्लु अन्धेरा चाहते है।
प्रचार पब्लिक की सर्च लाइट है।

(25) <u>रियासती</u> →
1945 ई॰ में सुमनेश जोशी इसे जोधपुर से प्रकाशित करते थे।

Springboard Academy

→ इस समाचार पत्र में जोधपुर के पाकिस्तान में विलय की खबर प्रकाशित की।

(26) विश्वामित्र →
कूलचन्द अग्रवाल इसे कलकत्ता से प्रकाशित करते थे।
→ इसमें समाज सुधार की खबरें प्रकाशित की जाती थी।

(27) सैनिक
(28) गणेश
} ये समाचार पत्र आगरा से प्रकाशित किए जाते थे।
→ इनमें बून्दी राज्य की खबरें प्रकाशित की जाती थी।

29. जयहिन्द - कोटा

30. विजय - जैसलमेर

Springboard Academy

15/12/24

प्रजामण्डल आन्दोलन

अखिल भारतीय देशी राज्य लोक परिषद् →

स्थापना - बाम्बे, 1927 ई०

अध्यक्ष - दीवान रामचन्द्र राव

उपाध्यक्ष - विजय सिंह पथिक

→ [1928 ई० के कलकत्ता अधिवेशन में कांग्रेस ने रियासतों में उत्तरदायी शासन की माँग की।

→ मोतीलाल नेहरु इस समय कांग्रेस के अध्यक्ष थे।]

→ रामनारायण चौधरी राजपूताना तथा मध्य भारत के सचिव थे।

राजपूताना देशी राज्य लोक परिषद् →

स्थापना - 1928 ई०

→ प्रथम अधिवेशन - 1931 ई० अजमेर

अध्यक्ष - राम नारायण चौधरी

Springboard Academy

→ 1938 ई० के हरिपुरा (गुज०) अधिवेशन में कांग्रेस ने प्रजामण्डल आन्दोलनों को समर्थन दिया।

→ इस समय सुभाष चन्द्र बोस कांग्रेस के अध्यक्ष थे।

1931
↓
जयपुर
बून्दी

1934
↓
मारवाड़
हाड़ौती

1936
↓
बीकानेर
धौलपुर

1938
↓
मेवाड़
शाहपुरा
अलवर
भरतपुर
करौली

1939
↓
कोटा
किशनगढ़
सिरोही

1942
↓
कुशलगढ़

1943
↓
बांसवाड़ा

1944
↓
डूंगरपुर

1945
↓
जैसलमेर
प्रतापगढ़

1946
↓
झालावाड़

जयपुर प्रजामण्डल → 1931 ई०

संस्थापक - कर्पूरचन्द पाटनी

→ 1936 ई० में जमनालाल बजाज ने प्रजामंडल का पुनर्गठन किया था।

Springboard Academy

अध्यक्ष - चिरंजीलाल मिश्रा
मंत्री - हीरालाल शास्त्री

प्रथम अधिवेशन → 8/9 May 1938
→ नथमल का कटला
→ अध्यक्ष - जमनालाल बजाज

→ 10 May 1938 ई॰ को कस्तूरबा गाँधी ने महिलाओं की एक सभा को संबोधित किया।

→ जयपुर रियासत ने प्रजामण्डल पर रोक लगा दी।

→ अतः प्रजामण्डल ने सत्याग्रह प्रारम्भ किया।

→ जमनालाल बजाज को गिरफ्तार कर लिया गया।

जेन्टलमैन एग्रीमेंन्ट →
17 Sep. 1942 ई॰

मिर्जा इस्माइल (P.M.) Jaipur + हीरालाल शास्त्री (अध्यक्ष)

शर्तें - i) जयपुर रियासत अंग्रेजों की सहायता नहीं करेंगी।

Springboard Academy

ii) जयपुर रियासत उत्तरदायी शासन की स्थापना करेगी।

iii) जयपुर रियासत ब्रिटिश भारत के विद्रोहियों को गिरफ्तार नहीं करेगी तथा प्रजामण्डल उसे शरण दे सकते।

iv) प्रजामण्डल शांतिपूर्ण धरना, जुलूस, इत्यादि प्रदर्शन कर सकता है।

v) प्रजामण्डल भारत छोड़ो आन्दोलन में भाग नहीं ले सकती।

आजाद मोर्चा → बाबा हरिश्चन्द्र के नेतृत्व में प्रजामण्डल के असन्तुष्ट कार्यकर्ताओं ने आजाद मोर्चा की स्थापना की तथा भारत छोड़ो आन्दोलन में भाग लिया।

आजाद मोर्चा के अन्य सदस्य →

(i) रामकरण जोशी
(ii) गुलाबचन्द्र कासलीवाल
(iii) दौलतमल भण्डारी [Raj. High Court के मुख्य न्यायाधीश]

→ 1945 ई. में नेहरू जी के कहने पर आजाद मोर्चा का प्रजामण्डल में विलय कर दिया गया।

Springboard Academy

देवीशंकर तिवाड़ी →

1943 ई० में जमनालाल बजाज की याद में 'लोक वाणी' नामक समाचार पत्र का प्रकाशन किया था।

→ इन्हें जयपुर प्रजामण्डल का अध्यक्ष भी बनाया गया था।

→ 1946 ई० में इन्हें जयपुर में गैर सरकारी मंत्री बनाया गया था [राज० में प्रथम]

→ यह RPSC के अध्यक्ष भी रहे (सर्वाधिक लम्बा कार्यकाल)

[मोतीलाल दिवस → 5 April 1931]

बून्दी प्रजामण्डल →

संस्थापक – नित्यानन्द
कांतिलाल
*ऋषिदत्त मेहता

→ ऋषिदत्त मेहता का अन्य संगठन – बून्दी देशी राज्य लोक परिषद्

RAS Q. V. Imp.

→ *ऋषिदत्त मेहता का समाचार पत्र – राजस्थान

Springboard Academy

→ यह एक साप्ताहिक समाचार पत्र था।
→ 1923 ई० में यह ब्यावर से प्रकाशित किया गया।
↳ इसमें हाड़ौती क्षेत्र की खबरें प्रकाशित होती थी।

मारवाड़ प्रजामण्डल →

मरुधर हितकारिणी सभा →

स्थापना – 1918 ई०

संस्थापक – चांदमल सुराणा

→ 1923 ई० में जयनारायण व्यास ने इसका पुनर्गठन किया तथा इसका नाम बदलकर मारवाड़ हितकारिणी सभा कर दिया था।

→ कालान्तर में इसे मारवाड़ यूथ लीग में मिला दिया था।

मारवाड़ सेवा संघ →

स्थापना – 1920 ई०

संस्थापक – जयनारायण व्यास

अध्यक्ष – दुर्गाशंकर

मंत्री – प्रयागराज भण्डारी

→ इस संगठन ने तौल आन्दोलन चलाया था। [1 सेर का वजन घटाकर 100 तोले की जगह 80 तोले कर दिया]

Springboard Academy

मारवाड़ देशी रियासत लोक परिषद् →

स्थापना – 1929 ई०

संस्थापक – जयनारायण व्यास

→ यह संगठन जोधपुर में पहला अधिवेशन आयोजित करना चाहता था।

→ नेताओं को गिरफ्तार कर लिया तथा नागौर की विशेष अदालत में इनके खिलाफ मुकदमा चलाया गया।

नेता –

(i) जयनारायण व्यास

(ii) भंवरलाल सर्राफ

(iii) आनन्दराज सुराणा

प्रथम अधिवेशन – 24/25 Nov. 1931 ई०
पुष्कर

अध्यक्ष – चांदकरण शारदा

मणिलाल कोठारी
काका कालेरकर
कस्तूरबा गाँधी
} इन्होंने भी भाग लिया।

मारवाड़ यूथ लीग → 10 May. 1931 ई०

संस्थापक – जयनारायण व्यास

→ कालान्तर में इस संगठन का नाम बदलकर बाल भारत सभा कर दिया।

→ 1932 ई॰ में छगनराज चौपासनीवाला ने जोधपुर में भारतीय झण्डा फहराया था।

प्रजामण्डल - 1934 ई॰

अध्यक्ष - भंवरलाल सर्राफ

1936 → कृष्णा दिवस (बॉम्बे)
1936 → शिक्षा दिवस (जोधपुर)

→ 1936 ई॰ में अखिल भारतीय देशी राज्य लोक परिषद् का अधिवेशन कराची में आयोजित किया गया तथा इसमें जयनारायण व्यास को महामंत्री बनाया गया।

→ जोधपुर रियासत ने जयनारायण व्यास के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया।

→ बीकानेर महाराजा गंगासिंह ने जोधपुर के प्रधानमंत्री डोनाल्ड फील्ड को पत्र लिखा तथा इस प्रतिबंध को हटाया।

मारवाड़ लोक परिषद् →

स्थापना - 1938 ई०

अध्यक्ष - रणछोड़ दास गट्टानी

उद्देश्य - उत्तरदायी शासन की स्थापना।

→ * Ques. 1942 ई० में लाडनू (नागौर) में अधिवेशन आयोजित किया गया इसकी अध्यक्षता रणछोड़ दास गट्टानी ने की थी।

→ इस संगठन द्वारा मारवाड़ में किसान आन्दोलन का नेतृत्व किया था।

मारवाड़ पब्लिक सोसाइटी ओर्डीनेन्स 1936

चंडावल घटना (पाली) → 28 March 1942 ई०

→ चंडावल के सामन्त ने किसानों की सभा पर लाठी चार्ज करवा दिया था।

डाबड़ा हत्याकाण्ड → डीडवाना के सामन्त ने किसानों की सभा पर लाठी चार्ज करवाया तथा इसमें कई किसान शहीद हो गए थे।

जैसे - (i) मोतीलाल

(ii) चुन्नीलाल

→ इस घटना में मथुरादास माथुर घायल हो गए थे।

→ 1941 ई० में जयनारायण व्यास को जोधपुर नगरपालिका का अध्यक्ष बनाया गया था।

→ भारत छोड़ो आन्दोलन के दौरान जयनारायण व्यास को सिवाणा किले में नजरबन्द किया गया तथा प्रजामण्डल के अन्य नेताओं को जालौर किले में नजरबंद किया गया था।

→ 1945 ई० में द्वारिका दास पुरोहित को जोधपुर नगरपालिका का अध्यक्ष बनाया गया था।

→ 1945 ई० में नेहरू जी की सलाह पर डोनाल्ड फील्ड के स्थान पर C.S. वेंकटाचारी को जोधपुर का प्रधानमंत्री बनाया गया था।

मारवाड़ सत्याग्रह दिवस → 26 July 1942 ई०

महिमा देवी किंकर के नेतृत्व में महिलाओं ने भी सत्याग्रह में भाग लिया।

→ 1938 ई० में सुभाषचन्द्र बॉस तथा विजयलक्ष्मी पंडित ने जोधपुर की यात्रा की।

जयनारायण व्यास की पुस्तकें →

(i) मारवाड़ की अवस्था
(ii) पोपाबाई की पोल
(iii) मार्च से संघर्ष क्यों ?

जयनारायण व्यास के समाचार पत्र →

① अखण्ड भारत → हिन्दी
बाम्बे

② Peep → अंग्रेजी, दिल्ली
③ तरुण राजस्थान → हिन्दी, ब्यावर
④ आंगीवाण → राजस्थानी, ब्यावर
↳ राजस्थानी का पहला राजनैतिक समाचार पत्र ।

16/12/24

हाड़ौती प्रजामण्डल :-

संस्थापक → नयनूराम शर्मा
हाजी फौज मोहम्मद

→ प्रजामण्डल ने बेगार विरोधी आन्दोलन चलाया था ।

Springboard Academy

बीकानेर प्रजामण्डल →

सर्व हितकारिणी सभा -
स्थापना - 1907 ई॰ चुरू
संस्थापक - कन्हैयालाल ढूंढ
स्वामी गोपालदास

→ इस संगठन ने शिक्षण संस्थाओं की स्थापना की थी।
जैसे - कबीर पाठशाला (दलितों हेतु)
पुत्री पाठशाला (लड़कियों के लिए)

→ 26 Jan. 1930 ई॰ को स्वामी गोपालदास तथा चन्दनमल बहड़ ने चुरू के धर्मस्तूप पर भारतीय झण्डा फहराया।

→ दूसरे गोलमेल सम्मेलन (1931 ई॰) के दौरान राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने 'बीकानेर दिग्दर्शन' नामक पर्चे बाँटे थे।
तथा इनमें महाराजा गंगासिंह की आलोचना की गई।

बीकानेर षड्यन्त्र मुकदमा → 1932 ई॰
'बीकानेर दिग्दर्शन' के कारण कई राजनीतिक कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया।

Springboard Academy

जैसे ① स्वामी गोपालदास
② चन्द्रमल बहड़
③ सत्यनारायण सर्राफ
④ खूबराम सर्राफ

→ 1936 ई० में कलकत्ता में प्रजामण्डल स्थापित किया गया था।
संस्थापक - वैद्य मघाराम
Que.* लक्ष्मी देवी आचार्य
मुक्ता प्रसाद
भिक्षालाल बोहरा
लक्ष्मण दास स्वामी

बीकानेर देशी राज्य लोक परिषद →
स्थापना - 1942 ई०
संस्थापक - रघुवर दयाल गोयल

→ 1 July 1946 ई० को रायसिंहनगर में पुलिस द्वारा एक जुलूस पर फायरिंग की गई थी तथा इसमें बीरबल नामक एक युवक शहीद हो गया था।

→ *Que. 17 July को बीरबल दिवस मनाया गया था।

Springboard Academy

बीकानेर के किसान आन्दोलन →

1937 - उदरासर - जीवनराम

1938 - महाजन

1944 - दूधवा खारा (चुरू) → * Que° हनुमान सिंह आर्य

1946 - * कांगड़ (चुरू) → मेघ सिंह आर्य

1930-31 → गंग नहर - ① दरबार सिंह, करतार सिंह] जमींदार संघ

आबियाना - सिंचाई कर

धौलपुर प्रजामण्डल →

आर्य समाज के स्वामी श्रद्धानन्द सरस्वती ने धौलपुर में राजनैतिक चेतना का संचार किया था।

आचार सुधारिणी सभा -

स्थापना - 1910 ई०

संस्थापक - ज्वाला प्रसाद जिज्ञासु
यमुना प्रसाद

नागरी प्रचारिणी सभा -

स्थापना - 1934 ई०

संस्थापक - ज्वाला प्रसाद जिज्ञासु
इन्दुलाल

Springboard DMS

प्रजामण्डल →

स्थापना - 1936 ई०

संस्थापक - ज्वाला प्रसाद जिज्ञासु
कृष्णा दत्त पालीवाल

तसीमो काण्ड →
11 April 1947 ई०

→ पुलिस फायरिंग में दो युवक शहीद हो गए थे - पँचम सिंह
छत्तर सिंह

मेवाड़ प्रजामण्डल →

प्रजामण्डल की स्थापना हरिपुरा अधिवेशन के बाद की गई।

स्थापना - 24 April 1938 ई०

संस्थापक - बलवन्त सिंह मेहता (अध्यक्ष)

उपाध्यक्ष - भूरेलाल बयाय

महामंत्री - माणिक्यलाल वर्मा

→ * Que. प्रजामण्डल बलवन्त सिंह मेहता के घर पर स्थापित किया गया था (साहित्य कुटीर)

→ * Que. मेवाड़ रियासत ने प्रजामण्डल पर रोक लगा दी। अतः वर्मा जी ने अजमेर

Springboard Academy

से प्रजामण्डल का संचालन किया।

→ वर्मा जी ने यहाँ 'मेवाड़ का वर्तमान शासन' नामक पुस्तक लिखी थी तथा इसमें मेवाड़ के शासन की आलोचना की गई।

→ प्रजामण्डल ने सत्याग्रह प्रारम्भ किया था

प्रथम सत्याग्रही - रमेश चन्द्र व्यास (भीलवाड़ा)

→ भूरेलाल बहाव को सराड़ा किले में नजरबन्द किया गया, इसे 'मेवाड़ का काला पानी' कहते है।

→ वर्मा जी को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

→ अपने हरिजन समाचार पत्र में गाँधीजी ने इसकी आलोचना की थी।

प्रथम अधिवेशन - 1941 ई० उदयपुर

अध्यक्षता - माणिक्य लाल वर्मा

→ J. B. कृपलानी ने इस अधिवेशन का उद्घाटन किया था।

→ विजय लक्ष्मी पण्डित ने खादी प्रदर्शनी का उद्घाटन किया था।

→ भारत छोड़ो आन्दोलन के दौरान कई राजनीतिक कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया।

जैसे - ① बलवन्त सिंह मेहता
② मोहनलाल सुखाड़िया
③ माणिक्यलाल वर्मा
④ नारायणी देवी वर्मा
⑤ सुशीला
★ Que. ⑥ भगवती देवी बिश्नोई

→ 1946 ई० में अखिल भारतीय देशी राज्य लोक परिषद् का (Que.) नवाँ अधिवेशन उदयपुर के सलेटिया मैदान में आयोजित किया गया था।

अध्यक्ष - जवाहर लाल नेहरू

→ शेख अब्दुला ने इस अधिवेशन में भाग लिया था।

मेवाड़ प्रजामण्डल के अन्य केन्द्र -

मेवाड़ के अन्दर
↓
① भीलवाड़ा
② नाथद्वारा
↓
नरेन्द्रपाल
गंगा देवी

मेवाड़ के बाहर
↓
बॉम्बे
नागपुर
जलगांव
अकोला

शाहपुरा प्रजामण्डल →

वर्मा जी के प्रेरणा से शाहपुरा में प्रजामण्डल स्थापित किया गया।

संस्थापक - लादूराम व्यास
रमेशचन्द्र ओझा

→ महाराजा सुदर्शन देव ने पूर्ण उत्तरदायी शासन की स्थापना कर दी थी (राज० में प्रथम)

प्रधानमंत्री - गोकुल लाल असावा

अलवर प्रजामण्डल →

संस्थापक - हरिनारायण शर्मा

→ प्रजामण्डल ने भारतीय छोड़ो आन्दोलन में भाग नहीं लिया था।

प्रथम अधिवेशन - 1944 ई०
अध्यक्षता - भवानी शंकर शर्मा

→ [1941 ई० में राजगढ़ में जागीर माफी सम्मेलन आयोजित किया गया था।
अध्यक्ष - सत्यदेव विद्यालंकार]

Springboard ACADEMY

हरिनारायण शर्मा के अन्य संगठन →

① आदिवासी संघ

② बाल्मीकि संघ

③ अस्पृश्यता निवारण संघ

→ हरिनारायण शर्मा महाराजा जयसिंह के सलाहकार थे।

भरतपुर प्रजामण्डल →

भरतपुर प्रजा संघ - 1928 ई०

अध्यक्ष - गोपीलाल यादव
मंत्री - ठाकुर देशराज

→ *Que. प्रजामण्डल की स्थापना रेवाड़ी में की गई थी।

संस्थापक - जुगल किशोर चतुर्वेदी (राज० का नेहरु)
मास्टर आदित्येन्द्र
गोपीलाल यादव (अध्यक्ष)
किशनलाल जोशी (शेखावाटी किसान आंदोलन में भाग लिया)

→ भरतपुर रियासत ने प्रजामण्डल का पंजीकरण नहीं किया गया। अतः इसके खिलाफ आन्दोलन चलाया गया।

Springboard ACADEMY

→ *Que° इस आन्दोलन के दौरान सुशीला त्रिपाठी को जेल भेजा गया।

→ *Que° कालान्तर में प्रजामण्डल का पञ्जीकरण भरतपुर प्रजा परिषद् के नाम से किया गया था।

करौली प्रजामण्डल →

पूर्ण सिंह तथा मदन सिंह ने करौली में राजनीतिक चेतना का संचार किया था।

→ 1927 ई० में मदन सिंह ने अपने पत्नि सरदार कुंवर के साथ करौली में किसान आन्दोलन का नेतृत्व किया था।

प्रजामण्डल के संस्थापक –

Imp* ① त्रिलोक चन्द्र माथुर

② चिंरजी लाल शर्मा

कोटा प्रजामण्डल →

संस्थापक – नयनू राम शर्मा

अभिन्न हरि

तनसुखलाल मित्तल

Springboard Academy

प्रथम अधिवेशन - 1939 ई., मांगरोल (बारां)

अध्यक्ष - नयनू राम शर्मा

दूसरा अधिवेशन - 1940 ई. कोटा

अध्यक्ष - अभिन्न हरि

→ विजय सिंह पथिक ने भी इस अधिवेशन में भाग लिया था।

→ भारत छोड़ो आन्दोलन के दौरान मोतीलाल जैन के नेतृत्व में प्रजामण्डल के कार्यकर्ताओं ने कोटा के नगर प्रशासन पर अधिकार कर लिया।

→ कॉलेज के छात्रों ने रामपुरा पुलिस थाने पर अधिकार कर लिया।

किशनगढ़ प्रजामण्डल →

संस्थापक - कांतिचन्द्र चौथानी

जमाल शाह (अध्यक्ष)

सिरोही प्रजामण्डल →

संस्थापक - गोकुल भाई भट्ट (राज० का गांधी)

वृद्धिशंकर त्रिवेदी

धर्मचन्द सुराणा

→ प्रजामण्डल की स्थापना बाम्बे में की गई।

कुशलगढ़ प्रजामण्डल →
संस्थापक - भंवरलाल निगम

बाँसवाड़ा प्रजामण्डल →
संस्थापक - भूपेन्द्रनाथ त्रिवेदी
मणिशंकर नागर
धूलजी भाई भावसार

→ भूपेन्द्रनाथ त्रिवेदी का समाचार पत्र - संग्राम (बॉम्बे)

→ विजया बहिन भावसार ने महिला मण्डल की स्थापना की थी।

डूँगरपुर प्रजामण्डल :-
संस्थापक - भोगीलाल पाड्या
हरिदेव जोशी
गौरीशंकर उपाध्याय

स्थापना - 1 Aug. 1944 ई॰
(तिलक की पुण्यतिथि पर)

Springboard ACADEMY

→ प्रजामण्डल ने प्रयाण सभाओं का आयोजन किया था।

* Que RAS mains

रास्तापाल घटना → 19 June 1947 ई॰

→ अध्यापक नाना भाई व भील लड़की काली बाई शहीद हो गई।

→ इन दोनों की मूर्तियाँ गैप सागर तालाब के पास लगाई गई है।

→ बालिका शिक्षा क्षेत्र में कालीबाई पुरस्कार दिया जाता है।

→ इस घटना में एक अन्य अध्यापक सेंगा भाई घायल हो गए थे।

पूनावाड़ा घटना → May 1947 ई॰

अध्यापक शिवराम भील घायल हो गए थे।

→ [1948 ई॰ में गौरीशंकर उपाध्याय को डूंगरपुर का प्रधानमंत्री बनाया गया]

जैसलमेर प्रजामण्डल →

संस्थापक - मीठालाल व्यास

→ प्रजामण्डल की स्थापना जोधपुर में की गई।

Springboard Academy

→ रघुनाथसिंह का संगठन - माहेश्वरी नवयुवक मण्डल

प्रतापगढ़ प्रजामण्डल →

संस्थापक - अमृतलाल पाठक
चुन्नीलाल प्रभाकर
ठक्कर बापा

→ [1921 ई॰ में ठक्कर बापा ने भील सेवा मण्डल की स्थापना की।

→ मीणा आन्दोलन के दौरान इन्होंने जयपुर के प्रधानमंत्री मिर्जा इस्माइल को पत्र लिखा]

झालावाड़ प्रजामण्डल →

संस्थापक - मांगीलाल भव्य
मकबूल आलम
कन्हैयालाल मित्तल

→ राजराणा हरिश्चन्द्र के नेतृत्व में उत्तरदायी शासन स्थापित किया गया।

Springboard Academy

राजस्थान का एकीकरण

→ आजादी के समय राजस्थान में 19 रियासतें 3 ठिकाने तथा एक चीफ कमिश्नरी थी।

3 ठिकाने →
- (i) लावा
- (ii) कुशलगढ़
- (iii) नीमराणा

चीफ कमिश्नरी → अजमेर - मेरवाड़ा

→ 5 July 1947 ई. रियासती सचिवालय की स्थापना की गई थी।

अध्यक्ष - सरदार वल्लभ भाई पटेल

सचिव - V.P. मेमन

→ 18 July 1947 ई. को भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम पारित किया गया था।

→ इस अधिनियम की धारा 8 के तहत रियासतों की अंग्रेजों के साथ की गई संधियाँ समाप्त कर दी गई।

Springboard ACADEMY

→ 7 Aug. 1947 ई० को बीकानेर महाराजा सार्दूल सिंह ने विलय पत्र पर हस्ताक्षर किए थे। [instrument of Accession] [राज० में प्रथम]

→ 14 Aug. 1947 ई० को धौलपुर महाराजा उदयभान सिंह ने विलय पत्र पर हस्ताक्षर किए। (राज० में अंतिम)

→ रियासती सचिवालय के अनुसार वे रियासतें जिनकी जनसंख्या 10 लाख से अधिक तथा आय 1 करोड़ से अधिक हो तो स्वतंत्र रह सकती है।

→ राज० में ऐसी चार रियासतें थी - मेवाड़, जयपुर, जोधपुर, बीकानेर

→ भारत सरकार ने अलवर, भरतपुर रियासतों पर नियंत्रण स्थापित कर लिया।

→ S. N. सप्रू को भरतपुर का प्रशासक बनाया गया।

प्रथम चरण → मत्स्य संघ

धौलपुर → उदयभान सिंह → राजप्रमुख

करौली → गणेशपाल → उपराज-प्रमुख

अलवर → राजधानी

भरतपुर → उद्घाटन → 18 March 1948 A.D. → एन. वी. गाडगिल

नीमराणा

प्रधानमंत्री - शोभाराम कुमावत

उपप्रधानमंत्री - जुगल किशोर चतुर्वेदी

अन्य मंत्री - गोपीलाल यादव (भरतपुर)

चिरंजीलाल शर्मा

मास्टर भोलानाथ

डॉ. मंगल सिंह

→ के. एम. मुंशी ने मत्स्य संघ का नामकरण किया था।

→ कालान्तर में अलवर महाराजा तेजसिंह को भी उपराज प्रमुख बनाया गया था।

→ जनसंख्या - 18 लाख

आय - 1 करोड़ 84 लाख

क्षेत्रफल - 12000 km^2

Springboard Academy

17/12/24

द्वितीय चरण → राजस्थान संघ

कोटा, बूंदी, झालावाड़, डूँगरपुर, बाँसवाड़ा, प्रतापगढ़, टोंक, किशनगढ़, शाहपुरा + कुशलगढ़

- कोटा ↓ भीमसिंह — राजप्रमुख
- बूंदी ↓ बहादुर सिंह ↓ वरिष्ठ उपराज प्रमुख
- डूँगरपुर ↓ लक्ष्मण सिंह ↓ कनिष्ठ उपराजप्रमुख

राजधानी ↓ उद्घाटन

25 March 1948 ई०

N. V. गाडगिल

प्रधानमंत्री - गोकुल लाल असावा

जनसंख्या - 23.5 लाख

आय - 1 करोड़ 10 लाख

क्षेत्रफल - 16,807 km^2

→ शाहपुरा तथा किशनगढ़ रियासतों ने अजमेर - मेरवाड़ा में विलय का विरोध किया था।

→ कोटा महाराव भीमसिंह हाड़ौती संघ बनाना चाहता था (कोटा, बूंदी, झालावाड़)

→ डूंगरपुर महारावल लक्ष्मण सिंह वागड़ संघ बनाना चाहता था (डूंगरपुर, बाँसवाड़ा, प्रतापगढ़, कुशलगढ़)

→ विलय पत्र पर हस्ताक्षर करते समय बांसवाड़ा महारावल चन्द्रवीर सिंह ने कहा था कि - "मैं अपने Death warrant पर हस्ताक्षर कर रहा हूँ"।

तीसरे चरण → संयुक्त राजस्थान
United States of Rajasthan
↓
राजस्थान संघ + मेवाड़
18 April 1948 ई०

उद्घाटन →
- 18 April 1948 ई०
- उदयपुर
- जवाहर लाल नेहरु

राजप्रमुख - महाराणा भोपाल सिंह
वरिष्ठ उपराजप्रमुख - भीमसिंह (कोटा)
कनिष्ठ उपराजमुख - (i) बहादुर सिंह (बून्दी)
(ii) लक्ष्मण सिंह (डूंगरपुर)

प्रधानमंत्री - माणिक्यलाल वर्मा
उपप्रधानमंत्री - गोकुल लाल असावा
अन्य मंत्री - भोगीलाल पांड्या
अभिन्न हरि
भूरेलाल बहाय
मोहनलाल सुखाड़िया
प्रेमनारायण माथुर

Springboard Academy

बृजसुन्दर शर्मा

राजधानी - उदयपुर

→ विधानसभा का एक अधिवेशन प्रतिवर्ष कोटा में आयोजित किया जाएगा। तथा कोटा के विकास के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे।

→ महाराणा भोपाल सिंह ने 20 लाख प्रिवीपर्स की मांग की थी।

20 लाख
- प्रीवीपर्स 10 लाख
- राजप्रमुख का वेतन 5 लाख
- धार्मिक अनुदान 5 लाख

→ राजस्थान, मालवा, तथा सौराष्ट्र की रियासतों को मिलाकर मेवाड़ महाराणा भोपाल सिंह राजस्थान यूनियन बनाना चाहते थे इसके लिए उदयपुर में दो सम्मेलन आयोजित किए गए थे -

(i) 25-26 जून 1946 ई.

(ii) 23 May 1947 ई.

Springboard Academy

→ के॰ एम॰ मुंशी महाराणा भोपाल सिंह के संवैधानिक सलाहकार थे]

→ [राममनोहर लोहिया ने राज॰ आन्दोलन समिति का गठन किया तथा शेष रियासतों के जल्दी विलय की मांग की]

IV चरण → बृहत राजस्थान
↓
संयुक्त राजस्थान + जयपुर
जोधपुर
बीकानेर
जैसलमेर
~~जोधपुर~~

उद्घाटन → चैत्र शुक्ल एकम विक्रम संवत (2006)
30 march 1949 ई॰
→ जयपुर
→ वल्लभ भाई पटेल

30 March को राजस्थान दिवस मनाया जाता है।

महाराजप्रमुख – महाराणा भोपाल सिंह

राजप्रमुख – सवाई मानसिंह II Jaipur

वरिष्ठ उपराजप्रमुख – (i) भीम सिंह कोटा
(ii) हनवन्त सिंह जोधपुर

कनिष्ठ उपराजप्रमुख - (i) बहादुर सिंह बून्दी
(ii) लक्ष्मण सिंह डूंगरपुर

प्रधानमंत्री - हीरालाल शास्त्री

अन्य मन्त्री - राव राजा हनूत सिंह
नृसिंह कच्छावा
फूलचन्द बाफना
भूरेलाल बयाय
प्रेमनारायण माथुर
रघुवर दयाल गोयल
सिद्धराज ढड्ढा
वेदपाल त्यागी

→ जयपुर तथा जोधपुर में राजधानी को लेकर विवाद था। अतः इसके समाधान के लिए एक जाँच समिति का गठन किया गया -
B. R. Patel
T. C. Puri
S. P. सिन्हा

→ इस समिति की सिफारिश के आधार पर जयपुर को राजधानी बनाया गया तथा जोधपुर को हाईकोर्ट दे दिया गया।

प्रिवीपर्स -

जयपुर 18 लाख

जोधपुर 17.5 लाख

बीकानेर 17 लाख

→ ~~V. T. कृष्णमाचारी~~

→ जयपुर महाराजा सवाई मानसिंह अलवर तथा करौली को जयपुर में मिलाना चाहते थे।

→ इस समय V. T. कृष्णमाचारी जयपुर के प्रधानमंत्री थे।

→ बीकानेर महाराजा सादूल सिंह लुहारु को बीकानेर में मिलाने चाहते थे।

→ 19 July 1948 ई. को लावा ठिकाना जयपुर रियासत में मिला दिया गया था।

V चरण - संयुक्त वृहत्तर राजस्थान

↓

मत्स्य संघ + वृहत राजस्थान

→ मत्स्य संघ के विलय के लिए एक जाँच समिति का गठन किया गया।

Springboard Academy

समिति के सदस्य – शंकर राव देव
प्रभुदयाल
R. K. सिद्धवा

→ इस समिति की सिफारिश के आधार पर 15 May 1949 ई. को मत्स्य संघ वृहत राजस्थान में मिला दिया गया।

→ शोभाराम खुमावत को हीरालाल शास्त्री मंत्रिमण्डल में शामिल कर लिया गया।

VI चरण →
सिरोही रियासत का विभाजन किया गया।

→ आबू व देलवाड़ा सहित 89 गाँव बॉम्बे में मिला दिए गए तथा शेष सिरोही राज. में मिला दिया गया।
जिसमें गोकुलभाई भट्ट का गाँव हाथल भी शामिल था।

→ इस अनुचित विलय पर वल्लभ भाई पटेल का जवाब था कि "राज. वालों को गोकुलभाई भट्ट चाहिए था वो हमने दे दिया"।

राज. के प्रथम महाराजा प्रमुख – उदयपुर के महाराणा भोपाल सिंह भूपाल

→ 26 Jan. 1950 ई. को हमारे प्रदेश का नाम राजस्थान कर दिया गया था।

→ हीरालाल शास्त्री राज. के पहले मनोनीत मुख्यमंत्री थे।

सातवां चरण →

राज्य पुनर्गठन आयोग की सिफारिश के आधार पर –

(i) आबू, देलवाड़ा राज. में मिलाए गए।

(ii) अजमेर मेरवाड़ा राज. में मिलाया गया।

(iii) M.P. का सुनेल टप्पा राज. में मिलाया गया।

(iv) राज. का सिरोंज M.P को दिया गया।

→ 1 Nov. 1956 ई. को राज. का एकीकरण पूरा हुआ।

→ इस समय मोहनलाल सुखाड़िया राज. के मुख्यमंत्री थे।

→ आबू देलवाड़ा के विलय के लिए मुनि जिन विजय सूरि समिति का गठन किया गया।

→ इतिहासकार दशरथ शर्मा भी इस समिति के सदस्य थे।

Springboard Academy

→ पहले अजमेर मेरवाड़ा एक चीफ कमीश्नरी था जहाँ 30 सदस्यों की एक "धारा सभा" होती थी।

→ हरिभाऊ उपाध्याय अजमेर - मेरवाड़ा के मुख्यमंत्री थे।

→ हरिभाऊ उपाध्याय ने अजमेर मेरवाड़ा के राज० विलय का विरोध किया।

→ जयपुर तथा अजमेर में राजधानी को लेकर विवाद था। अतः इसके समाधान के लिए एक जाँच समिति का गठन किया गया।

सदस्य - सत्यनारायण राव
B. K. गुहा
V. विश्वनाथन

→ इस समिति की सिफारिश के आधार पर - (i) राजधानी - जयपुर
(ii) राजस्व विभाग - AJMER
(iii) शिक्षा विभाग - Bikaner
(iv) कृषि विभाग - भरतपुर
(v) वन एवं सहकारी विभाग - KOTA
(vi) खनन विभाग - उदयपुर

Springboard Academy

Other Facts Question Solves time

7 वां CA ने राज० में राजप्रमुख संस्था का लोप किया।

→ टॉडगढ़ राज० में शामिल 1956 ई०

→ भारत सरकार ने 5 Jan. 1949 को सिरोही का प्रशासन बम्बई सरकार को सौंपा।

→ सिरोही का राज० में विलय 26 Jan 1950 ई०

पूर्ण विलय – 1 Nov. 1956 ई०

पाकिस्तान में विलय में प्रयास किया

→ आजादी के बाद जोधपुर महाराजा हनुवंत सिंह अपनी रियासत को एक स्वतंत्र इकाई रखना चाहते थे।

→ जैसलमेर रियासत को प० नेहरु ने विश्व का आठवाँ आश्चर्य कहा है।

→ राज० की राजनैतिक एकीकरण में 8 वर्ष 7 माह 14 दिन का समय लगा।

Springboard Academy